page 1 and 8 Feb 22_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/22/2026 1:31 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 मिशन युवा के तहत नगरी परोल में उद्यमिता जागरूकता मेला आयोजित

5 एलिना स्वितोलिना ने कोको गाफ को हराकर फाइनल में बनाई जगह

8 अदरक की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 12 — अधिकतम 24

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-47 | जम्मू तवी, रविवार 22 फरवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

सड़क दुर्घटना में 7 सीआरपीएफ जवान घायल

श्रीनगर 21 फ़रवरी । श्रीनगर के दागपोरा इलाके में शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 7 जवान घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना अहमद नगर के दागपोरा रोड स्थित उमर हेयर में हुई, जब एक बीपी पेट्रोल पंप वाहन के चालक ने नियंत्रण खो दिया जिससे वाहन सड़क से नहर में जा गिरा।

अधिकारियों ने बताया कि घायल जवानों को शेर-ए-कश्मीर आयुर्वेद संस्थान (एसकेआईएमएस), सौरा ले जाया गया है। घायलों की पहचान नागिंदर सिंह (36), अजीत कुमार राम (36), राज किशोर राय (40), अमित कुमार यादव (38), राजधन राम (55), मानकर कुमार (40) और नीरज कुमार (45) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सभी घायल जवानों की हालत स्थिर है और उन्हें चोटें आई हैं।

आतंकी साजिश नाकाम सफापोरा में आईईडी बरामद, बम निरोधक दस्ता मौके पर

जम्मू, 21 फरवरी। गंदेरबल जिले से एक बड़ी सुरक्षा चूक और आतंकी साजिश की खबर आ रही है। सुरक्षा बलों की मुस्तैदी ने एक संभावित बड़े हादसे को टाल दिया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल जिले में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस का पता लगाया। उन्होंने बताया कि इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस को एक बैग में रखा गया था और जिले के सफापोरा इलाके में कोहेस्तान कॉलोनी के पास गुलाब शेख मोहल्ला में सड़क किनारे रखा गया था। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी है और बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुला लिया गया है ताकि आईईडी को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय किया जा सके। गंदेरबल के सफापोरा में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं। ताज़ा अपडेट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने बम निरोधक दस्ते की मदद से उस आईईडी को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया है। इस घटना के बाद जारी किए गए सुरक्षा अलर्ट और वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी नीचे दी गई है,

हाई अलर्ट- खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा द्वारा दिल्ली और उत्तर भारत में आतंकी हमलों की साजिश की चेतावनी दी है।

भारत-ब्राजील संबंधों में नयी ऊर्जा, पांच वर्षों में 20 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य

नयी दिल्ली, 21 फरवरी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा के साथ उनकी बातचीत से दोनों देशों की रणनीति साझेदारी में नयी ऊर्जा आयी है और दोनों पक्षों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर (करीब 1,814.5 अरब रुपये) के पार ले जाने की प्रतिबद्धता जतायी है।श्री मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आये श्री दा सिल्वा के साथ शनिवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि श्री दा सिल्वा की यात्रा ने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी में नया जोश भर दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, राष्ट्रपति दा सिल्वा की यात्रा ने हमारी रणनीतिक साझेदारी में नयी ऊर्जा का संचार किया है। ब्राजील लातिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक

भागीदार है। हम अगले पांच वर्षों में अपने द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर (करीब 1,814.5 अरब रुपये) से आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा व्यापार केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह विश्वास का प्रतिबिंब है।

श्री मोदी ने कहा कि श्री दा सिल्वा के साथ आया बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल इन संबंधों में बढ़ते भरोसे को दिखाता है। उन्होंने कहा कि भारत-मर्कोसुर व्यापार समझौते का विस्तार आर्थिक सहयोग को और मजबूत करेगा। उन्होंनेक कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सुपर कंम्पयूटर, सेमीकंडक्टर और ब्लॉकचेन जैसे क्षेत्रों में अपने सहयोग को भी हम प्राथमिकता दे रहे हैं। हम दोनों देश मानते हैं कि प्रौद्योगिकी समावेशी होनी चाहिए और के इसे साझा प्रगति के पुल की तरह काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा सहयोग हमारे संबंधों का एक मजबूत स्तम्भ रहा है। हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ हम नवीकरणीय ऊर्जा , इथेनाल मिश्रमण, सतत विमान ईंधन जैसे अनेक क्षेत्रों में भी सहयोग को और अधिक गति दे रहे हैं। ग्लोबल बायो-फ्यूल अलायंस में ब्राज़ील की सक्रिय भागीदारी, हरित भविष्य के प्रति साझा संकल्प को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में हमारा सहयोग न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि पूरे ग्लोबल साउथ के लिए भी महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि दोनों देश ब्राजील में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के लिए एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) की सह-अध्यक्षता करने के ब्राजील के प्रस्ताव का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा, मैं इस पहल के लिए राष्ट्रपति दा सिल्वा को बधाई देता हूं।

नक्सलवाद 31 मार्च 2026 तक देश से समाप्त कर दिया जाएगा : अमित शाह

गुवाहाटी,21 फरवरी । केंद्रीय गृह मंत्री Amit Shah ने शनिवार को कहा कि सरकार द्वारा तय की गई 31 मार्च 2026 की समयसीमा तक देश से नक्सलवाद का पूर्णतः उन्मूलन कर दिया जाएगा। वे यहां 87वें सीआरपीएफ दिवस परेड को संबोधित कर रहे थे, जो पहली बार पूर्वोत्तर में आयोजित की गई।

उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां पत्थरबाजी की घटनाएं शून्य हो गई हैं। साथ ही मणिपुर में जातीय हिंसा से निपटने और मात्र तीन वर्षों में माओवादियों की कमर तोड़ने में भी बल की अहम भूमिका रही है।

शाह ने कहा, मुझे सीआरपीएफ पर भरोसा है और मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सल समस्या को समाप्त कर देंगे।

उन्होंने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेंगुट्टा पहाड़ियों में चलाए गए 21 दिवसीय 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' की सराहना की, जिसमें अप्रैल-मई 2025 के दौरान 31 नक्सली मारे गए। 46 डिग्री सेल्सियस तापमान में, प्रतिदिन 15 लीटर पानी पसीने के रूप में गंवाते हुए, सीआरपीएफ जवानों ने दुर्गम पहाड़ियों को नक्सलियों के कब्जे से मुक्त कराया।

गृह मंत्री ने कहा कि 10-11 वर्ष पहले देश में तीन बड़े संकट क्षेत्र थे — जम्मू-कश्मीर में

आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर में उग्रवाद — जो अब शांति और विकास के केंद्र बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर में 700, नक्सल क्षेत्रों में 780 और जम्मू-कश्मीर में 540 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए। इन बलिदानों के बिना इन क्षेत्रों को विकास की राह पर लाना संभव नहीं था, उन्होंने कहा।

उन्होंने यह भी कहा कि सीआरपीएफ के 86 वर्षों के इतिहास में पहली बार इसका स्थापना दिवस परेड पूर्वोत्तर, हमारे असम में आयोजित किया गया है, जो गर्व की बात है। अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर में एक भी गोली चलाने की आवश्यकता नहीं पड़ी, जिसमें सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इस अवसर पर गृह मंत्री ने 15 सीआरपीएफ कर्मियों को वीरता पदक प्रदान किए और छह को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया।

Chenab Bridge: अफकॉन्स प्रमुख ने 2008 संकट के दौरान परियोजना न छोड़ने के फैसले को याद किया

नई दिल्ली, 21 फरवरी। जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बना विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे पुल 2008 के आसपास कठिन दौर से गुजरा, जब रेलवे बोर्ड ने निर्माण कंपनी अफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को परियोजना छोड़ने का विकल्प दिया था। बावजूद इसके, कंपनी ने संभावित वित्तीय नुकसान के बावजूद परियोजना जारी रखने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून 2025 को कटरा-स्रीनगर खंड का उद्घाटन करते हुए वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इसी खंड पर ऐतिहासिक चिनाब आर्च ब्रिज स्थित है। चिनाब रेल पुल नदी तल से 359 मीटर ऊंचा है और यह पेरिस के एफिल टॉवर से 35 मीटर अधिक ऊंचा है। 1,315 मीटर लंबा यह स्टील आर्च पुल उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक परियोजना का अहम हिस्सा है। अफकॉन्स के कार्यकारी अध्यक्ष के. सुब्रमणियन ने बताया कि 2004 में रेलवे बोर्ड के साथ अनुबंध हस्ताक्षर से लेकर 2025 में परियोजना के उद्घाटन तक यह 20 वर्षों की लंबी यात्रा रही। कानूनी चुनौतियों के कारण एक समय परियोजना पर रोक लग गई थी और रेलवे बोर्ड ने सुरंग जैसे वैकल्पिक मार्ग पर भी विचार किया था, लेकिन अंततः कंपनी ने पुल निर्माण जारी रखा और इसे सफलतापूर्वक पूरा किया।

जम्मू-कश्मीर के राज्य निर्वाचन आयुक्त बने शांतमनु, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दिलाई शपथ

जम्मू, 21 फरवरी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को लोक भवन में आयोजित एक औपचारिक समारोह में सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी शांतमनु को राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद की शपथ दिलाई।

यह शपथ ग्रहण समारोह जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा के बाद आयोजित किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश में शांतमनु को संवैधानिक पद पर नियुक्त करने की जानकारी दी गई थी।

सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार, शांतमनु को पांच वर्ष की अवधि के लिए या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी। ल्रेखनीय है कि राज्य

निर्वाचन आयुक्त का पद स्थानीय निकाय चुनावों और संबंधित चुनावी प्रक्रियाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शांतमनु की नियुक्ति को जम्मू-कश्मीर में चुनावी प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी ढंग से संचालित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

यूएईपीए के तहत जेकेएनओपी की संपत्ति जब्त की

श्रीनगर, 21 फ़रवरी । आतंकी कार्यकर्ताओं और उनके सहयोगी संगठनों के खिलाफ एक मजबूत और निर्णायक कार्रवाई करते हुए जम्मू और कश्मीर पुलिस ने आज बड़गाम में पुलिस स्टेशन खग की एफआईआर संख्या 58/2024 में शामिल जम्मू-कश्मीर के एक आतंकी संगठन (जेकेएनओपी) की अचल संपत्ति जब्त कर ली। यह एफआईआर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 7, 25, 18, 20 और 23 के तहत दर्ज की गई थी।

88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने AI इम्पैक्ट समिट की घोषणा पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली, 21 फरवरी। केंद्रीय मंत्री Ashwini Vaishnaw ने शनिवार को जानकारी दी कि भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट की घोषणा पर कुल 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत को औपचारिक रूप से स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को स्वीकार किया है

लोकसभा अध्यक्ष और कानून मंत्री ने जम्मू-कश्मीर विश्वविद्यालय के तीन नए मास्टर डिग्री कार्यक्रमों का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, 21 फरवरी।। कानून के शासन, लोकतांत्रिक और संसदीय संस्थाओं और चुनावी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने चुनावी विश्लेषण एवं प्रबंधन, राजनीतिक संचार और विधायी मसौदा तैयार करने के क्षेत्र में तीन नए डिग्री कार्यक्रम शुरू किए हैं। इस कार्यक्रम का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला (मुख्य अतिथि) और भारत सरकार में विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल (विशिष्ट अतिथि) की उपस्थिति में हुआ। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति तथा संसद सदस्य नवीन जिंदल शामिल थे। तीन स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम हैं, जिनमें विधायी मसौदा तैयार करने में एम.ए., चुनावी विश्लेषण और प्रबंधन में एम.ए. और राजनीतिक संचार में एम.ए. को शामिल किया गया है। एक साल के डिग्री कार्यक्रम डिजाइन में तैयार की गई, तीन एम.ए. डिग्रियां समकालीन लोकतंत्र की जटिल वास्तविकताओं से निपटने में सक्षम पेशेवर रूप से प्रशिक्षित विशेषज्ञों की बढ़ती मांग को पूरा करती हैं, जिसमें चुनाव प्रशासन और राजनीतिक अभियान से लेकर रणनीतिक संचार और उच्च गुणवत्ता वाले कानून निर्माण तक शामिल हैं।

कार्यक्रम में मौजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, आज के लोकतांत्रिक युग में हम विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, और वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए, ये स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हमारे लोकतंत्र को और मजबूत करेंगे। ये पाठ्यक्रम उन युवाओं को तैयार करने में सहायक होंगे जो हमारे देश के राजनीतिक, लोकतांत्रिक, तकनीकी और साक्षरता पहलुओं को नई दिशा देंगे। ये हमारे आर्थिक तंत्र को बेहतर बनाएंगे और लोकतंत्र में जनभागीदारी को एक नई दिशा भी देंगे। 1952 से अब तक 18 लोकसभा चुनाव हो चुके हैं और भारत एकमात्र ऐसा लोकतांत्रिक देश है जहां चुनाव पारदर्शी तरीके से होते हैं। हमारी भावी पीढ़ी चुनावी विश्लेषण एवं प्रबंधन का अध्ययन करेगी और नया शोध करेगी। उन्होंने आगे कहा, हमारे युवा जितना अधिक इस विषय का अध्ययन करेंगे, उतना ही अधिक नवाचार करेंगे, और लोकतंत्र में उनकी सक्रिय भागीदारी भी बढ़ेगी। आज बहुसांस्कृतिक संचार आवश्यक है। भारतीय संसद ने भी जनता और विधायकों के बीच निकटता बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग किया है। ये पाठ्यक्रम भावी पीढ़ी को इस प्रकार तैयार करेंगे कि उनकी भागीदारी लोकतांत्रिक व्यवस्था, लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं और न्यायिक प्रणालियां को मजबूत करेगी।

मेडिकल एजुकेशन हब बनाने की दिशा में बड़ा मील का पत्थर

जम्मू, 21 फरवरी। विशेष चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए National Medical Commission (एनएमसी) ने जम्मू और श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों तथा Sher-i-Kashmir Institute of Medical Sciences (एसकेआईएमएस) सौरा में 24 नई सुपर-स्पेशलिटी स्नातकोत्तर (पीजी) सीटों को मंजूरी दी है।

इन सीटों को कार्डियोलॉजी, यूरोलॉजी, पल्मोनरी मेडिसिन, मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, पीडियाट्रिक सर्जरी, न्यूरो-एनेस्थीसिया, पीडियाट्रिक एवं नियोनेटल एनेस्थीसिया तथा क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी और रूमेटोलॉजी जैसे विषयों में स्वीकृति मिली है।

इस निर्णय का स्वागत करते हुए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री Sakeena Itoo ने इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तनकारी कदम जम्मू-कश्मीर में विशेष

स्वास्थ्य अवसंरचना और चिकित्सा शिक्षा के अवसरों के विस्तार के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मंत्री ने कहा, यह उपलब्धि Omar Abdullah के नेतृत्व वाली सरकार के स्वास्थ्य मानकों को बेहतर बनाने और जम्मू-कश्मीर में उन्नत व विशेष चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के सतत प्रयासों का परिणाम है। सुपर-स्पेशलिटी

चिकित्सा शिक्षा को बड़ी मजबूती देते हुए 24 नए सुपर-स्पेशलिटी पीजी सीटों को मंजूरी दी

पीजी सीटों की वृद्धि से हमारे युवा डॉक्टरों को स्थानीय स्तर पर उन्नत प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे और मरीजों को विशेष उपचार की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने आगे कहा कि सुपर-स्पेशलिटी सीटों का विस्तार स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने, मरीजों को बाहर रेफर करने की आवश्यकता कम करने और घर के निकट समय पर उच्च गुणवत्ता वाला उपचार सुनिश्चित करने की व्यापक सोच के अनुरूप है। मंत्री ने संकाय सदस्यों, मेडिकल कॉलेज प्रशासन और विभाग के निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि एनएमसी के मानकों का पालन और उनकी मेहनत से ही यह स्वीकृति संभव हो पाई।

कानून को 'किले' से 'मंच' में बदलना होगा ताकि यह अधिक सुलभ बने : मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 21 फ़रवरी । भारत के मुख्य न्यायाधीश Surya Kant ने शनिवार को कहा कि कानून समाज को मनमानी से बचाने के लिए बनाया गया एक किला भर नहीं रह सकता, बल्कि इसे ऐसा मंच बनना होगा जहां मतभेदों पर बहस हो, अधिकारों को अभिव्यक्ति मिले और सत्ता से तर्क किया जा सके।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के 18वें दीक्षांत समारोह में फॉर्म फोर्ट्रेस टू फोरम- लॉ इन एन अनफिनिश्ड रिपब्लिक विषय पर संबोधित करते हुए उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे कानून को बंद दुर्ग के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत और विकसित होते सार्वजनिक मंच के रूप में देखें।

मुख्य न्यायाधीश ने मेहरानगढ़ किले का उल्लेख कानून की ऐतिहासिक यात्रा के प्रतीक के रूप में किया।उन्होंने कहा, किला रक्षा के लिए बनाया जाता

है, अव्यवस्था और अनिश्चितता से बचाने के लिए। अपने प्रारंभिक स्वरूप में कानून भी ऐसा ही था, जो समाज को मनमानी और अराजकता से बचाने के लिए स्थापित किया गया।

उन्होंने आगे कहा, लेकिन संवैधानिक लोकतंत्र में कानून केवल किला नहीं रह सकता। इसे एक ऐसे मंच में बदलना होगा जहां मतभेदों पर चर्चा हो, अधिकारों को स्पष्ट किया जाए और सत्ता से तर्कपूर्ण संवाद हो।

उन्होंने कहा कि 'किले से मंच' की यह यात्रा केवल कानूनी व्यवस्था के विकास को ही नहीं दर्शाती, बल्कि स्नातक हो रहे विद्यार्थियों की जिम्मेदारी को भी रेखांकित करती है।

मुख्य न्यायाधीश ने छात्रों को कानून को अंतिम रूप से स्थापित व्यवस्था मानने से सावधान किया। उन्होंने कहा कि कुछ विज्ञानों के स्थापित सिद्धांतों के विपरीत, कानून में अंतिमता नहीं होती। Oliver Wendell Holmes Jr. का उद्धरण देते हुए उन्होंने कहा कि कानून का जीवन तर्क नहीं, बल्कि अनुभव रहा है।

उन्होंने कहा कि समाज के बदलने के साथ कानून भी विकसित होता है और उसकी वैधता इस बात पर निर्भर करती है कि वह परिवर्तन के साथ कैसे संवाद करता है।

इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने Magna Carta को सत्ता को कानून के प्रति जवाबदेह बनाने के शुरुआती प्रयास के रूप में बताया।

बारह वर्षों में हमारी दीदियों को बारह लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण मिला : शिवराज सिंह

नई दिल्ली, 21 फ़रवरी । केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 12 वर्षों में दीदियों को 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण मिला है। अब बैंकर्स के साथ चर्चा करके तय किया है कि अगले 5 वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये का ऋण दिया जाएगा। इसका मतलब है हर वर्ष 2 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य। हमारा संकल्प है- सभी पात्र सेल्फ हेल्प ग्रुप्स को 100 ऋण उपलब्ध कराना। कोई भी समूह छूटेगा नहीं, हर एसएचजी तक वित्तीय पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। अब हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हर सेल्फ हेल्प ग्रुप को वित्तीय सहायता मिले और वह आत्मनिर्भर बने। शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को तेलंगाना में दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 25वीं केंद्रीय स्तरीय समन्वय समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर

पर उन्होंने कहा कि बैंक केवल लेन-देन का केंद्र नहीं बल्कि समग्र विकास का सेतु हैं।

एक तरफ बैंक गरीब की आशाओं को थामते हैं, तो दूसरी तरफ उसे आत्मनिर्भरता के पंख भी देते हैं। आप केवल ऋण नहीं बांट रहे, बल्कि भारत के भविष्य को नई दिशा दे रहे हैं। जब बैंक की शाखा गरीब की आशा बनती है, तब प्रगति की नई परिभाषा लिखी जाती है। इसलिए आपकी भूमिका साधारण नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारा लक्ष्य 'जीरो रिजेक्शन' होना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक योजना नहीं, हमारी सरकार का एक मिशन है। पिछले वर्षों में इस क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति देखने को मिली है। आज 10 करोड़ से अधिक बहनें सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़ चुकी हैं। 10 करोड़ बहनों का अर्थ है कि लगभग 40 करोड़ लोग इस आंदोलन से जुड़े हुए हैं यानी हर परिवार तक इसका प्रभाव पहुंचा है। आज देश में 91 लाख सक्रिय सेल्फ हेल्प ग्रुप कार्य कर रहे हैं। ये केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आजीविका मिशन के माध्यम से 10 करोड़ सपनों का संगठित जनआंदोलन है। उन्होंने दुःख जाहिर करते हुए कहा कि तेलंगाना में पिछली सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना का पूरा लाभ नहीं उठाया। हमने आवास स्वीकृत कर पहली किस्त भेज दी थी, लेकिन कई वर्षों तक उसका उपयोग नहीं हुआ। अंततः 2023 में पहली किस्त की राशि राज्य सरकार ने वापस कर दी। इसका अर्थ यह है कि लाखों गरीब ग्रामीण परिवार, जो मकान पा सकते थे, वे उससे वंचित रह गए।

अब मुझे खुशी है कि राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री और मुख्यमंत्री ने पत्र लिखकर योजना से जुड़ने का आग्रह किया है।

हम प्रसन्नता से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्रता के अनुसार तेलंगाना में आवास स्वीकृत करने की प्रक्रिया प्रारंभ करेंगे।

आवास प्लस' मोबाइल ऐप के माध्यम से 11,56,929 संभावित ग्रामीण परिवार चिन्हित हुए हैं, पात्र परिवारों को मकान देने का क्रम शुरू किया जाएगा।

बाल गीत :

बच्चों को जब गुस्सा आया

जाड़ा आया, जाड़ा आया
शीतल पवन साथ में लाया।
गद्दा उठा अभी बिस्तर से,
फिर रजाई से हाथ मिलाया।
चाय पिलाई अदरक वाली,
केसर वाला दूध पिलाया।
छुपा रखा था पेटी भीतर,
निकला स्वेटर बाहर आया।
धोकर और सुखाकर मां ने,
छुन्नू-मुन्नू को पहनाया।
शीत लहर जब चली भयानक,
पापा ने हीटर जलवाया।
सी-सी करते दादाजी ने,
दादी से टोपा मंगवाया।
इस पर घर के सब बच्चों को,
बड़ों-बड़ों पर गुस्सा आया।
डांट-डांट कर सभी बड़ों को,
बिस्तर के भीतर घुसवाया।

-प्रभुदयाल श्रीवास्तव

युवाओं के करियर में पेरेंट्स की भूमिका

आज के युवा अपने निर्णय खुद लेने में विश्वास करते हैं। अक्सर वे अपने निर्णयों में माता-पिता को शामिल नहीं करते। घूमने के लिए बाहर जाने से लेकर बात चाहे करियर की क्यों न हो।

अक्सर यह देखा जाता है कि किसी छात्र ने अगर 10वीं पास की है। उसे 11वीं में किसी विषय का चयन करना है। वह अपने माता-पिता या बड़े भाई या बहन से सलाह लेना उचित नहीं समझता, बल्कि वह बाहरी माहौल से प्रभावित होकर अपने निर्णय खुद ही लेता है।

अगर किसी विषय में उसकी रुचि हो भी जिसमें वह करियर बनाना चाहता हो तो उस विषय में क्या करियर संभावनाएं हैं, इसकी तलाश उसे करनी चाहिए। साथ ही अपने माता-पिता या बड़े भाई-बहन से भी उस पर सलाह लेना जरूरी है। सलाह में फायदे हैं, इसलिए बाद में अपने निर्णय पर पछताना से अच्छा है कि पहले ही अपने घर के वरिष्ठ लोगों से सलाह-मशविरा कर लें।

कॉम्पिटिशन से युवाओं पर भी अपेक्षाओं का बोझ बढ़ा है। बात करियर बनाने की क्यों न हो। आज भले ही संचार माध्यमों में वृद्धि हो गई। इंटरनेट से कोई भी जानकारी का आसानी से जुटाई जा सकती है। युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि अनुभव सबसे बड़ी चीज है। अनुभव कोई बाजार में मिलने वाली वस्तु नहीं है।

माता-पिता या परिजनों से ही हमें जीवन के सही मायने समझ में आएंगे। वे जो भी रास्ता दिखाएंगे वह सही होगा। कभी-कभी माता-पिता की अपेक्षाएं भी बच्चों से बढ़ जाती हैं। इन अपेक्षाओं के बोझ तले युवा दब जाते हैं। इससे उनकी जिंदगी निराशा की ओर मुड़ जाती है।

माता-पिता या परिजन भी यह ध्यान रखें कि वे अपने निर्णय युवाओं पर थोप कर उन पर अनावश्यक दबाव न बनाएं। अपने बच्चों की रुचि पहचानकर ही उन्हें भविष्य के लिए कोई सलाह दें और सही करियर चुनने में उनका मार्गदर्शन करें। सही मार्गदर्शन, सही विषय को चुनने के बाद अगर युवा उस पर मेहनत और लगन से पढ़ाई करेंगे तो सफलता मिलेगी।

विक्की की ईमानदारी

विक्की अपने स्कूल में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को ले कर बहुत उत्साहित था। वह भी परेड़ में हिस्सा ले रहा था।

दूसरे दिन वह एकदम सुबह जग गया लेकिन घर में अजीब सी शांति थी। वह दादी के कमरे में गया, लेकिन वह दिखाई नहीं पड़ी।

'माँ, दादीजी कहाँ हैं?' उसने पूछा।

'रात को वह बहुत बीमार हो गई थीं। तुम्हारे पिताजी उन्हें अस्पताल ले गए थे, वह अभी वहीं हैं उनकी हालत काफी खराब है।'

विक्की एकाएक उदास हो गया। उसकी माँ ने पूछा, 'क्या तुम मेरे साथ दादी जी को देखने चलोगे? चार बजे मैं अस्पताल जा रही हूँ।'

विक्की अपनी दादी को बहुत प्यार करता था। उसने तुरंत कहा, 'हाँ, मैं आप के साथ चलूँगा।'

वह स्कूल और स्वतंत्रता दिवस के समारोह के बारे में सब कुछ भूल गया। स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत अच्छी तरह संपन्न हो गया। लेकिन प्राचार्य खुश नहीं थे। उन्होंने ध्यान दिया कि बहुत से छात्र आज अनुपस्थित हैं।

उन्होंने दूसरे दिन सभी अध्यापकों को बुलाया और कहा, 'मुझे उन विद्यार्थियों के नामों की सूची चाहिए जो समारोह के दिन अनुपस्थित थे।' आधे घंटे के अंदर सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की सूची उन की मेज पर थी। कक्षा छे की सूची बहुत लंबी थी। अतः वह पहले उसी तरफ मुड़े।

जैसे ही उन्होंने कक्षा छे में कदम रखे, वहाँ चुप्पी सी छा गई। उन्होंने कठोरतापूर्वक कहा, 'मैंने परसों क्या कहा था?'

'यही कि हम सब को स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होना चाहिए,' गोलमटोल उषा ने जवाब दिया। 'तब बहुत सारे बच्चे अनुपस्थित क्यों थे?' उन्होंने नामों की सूची हवा में हिलाते हुए पूछा।

फिर उन्होंने अनुपस्थित हुए विद्यार्थियों के नाम पुकारे, उन्हें डाँटा और अपने डंडे से उनकी हथेलियों पर मार लगाई।

'अगर तुम लोग राष्ट्रीय समारोह के प्रति इतने लापरवाह हो तो इसका मतलब यही है कि तुम लोगों को अपनी मातृभूमि से प्यार नहीं है। अगली बार अगर ऐसा हुआ तो मैं तुम सबके नाम स्कूल के रजिस्टर से काट दूँगा।' इतना कह कर वह जाने के लिए मुड़े तभी विक्की आ कर उन के सामने खड़ा हो गया।

'क्या बात है?'

'महोदय, विक्की भयभीत पर दृढ़ था, मैं भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में अनुपस्थित था, पर आप ने मेरा नाम नहीं पुकारा।' कहते हुए विक्की ने अपनी हथेलियाँ प्राचार्य महोदय के सामने फैला दी। सारी कक्षा साँस रोक कर उसे देख रही थी।

प्राचार्य कई क्षणों तक उसे देखते रहे। उनका कठोर चेहरा नर्म हो गया और उन के स्वर में क्रोध गायब हो गया।

'तुम सजा के हकदार नहीं हो, क्योंकि तुम में सच्चाई कहने की हिम्मत है। मैं तुम से कारण नहीं पूछूँगा, लेकिन तुम्हें वचन देना होगा कि अगली बार राष्ट्रीय समारोह को नहीं भूलोगे। अब तुम अपनी सीट पर जाओ।'

विक्की ने जो कुछ किया, इसकी उसे बहुत खुशी थी।

इन पांच तरीकों से होगा बच्चों का दिमाग तेज

केवल परीक्षा के समय ही नहीं बल्कि दिमाग का हर समय सक्रिय होना जरूरी है। इसके लिए आप खानपान से लेकर अन्य कई तरीके भी आजमाते हैं ताकि बच्चों का दिमाग तेज हो और वे हर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करें। जानिए 5 आसान और प्रभावकारी तरीके, जो दिमाग तेज करने में मदद करते हैं -

1 दिमागी कसरत

दिमाग तेज करने का सबसे प्रभावकारी तरीका है, दिमागी कसरत। इसके लिए आप बच्चों के साथ कोई दिमागी खेल जैसे-प्रश्नोत्तरी, शब्दकोश भरना या सही विकल्प चुनो खेल सकते हैं। दोस्तों की मदद से इस तरह के खेल खेले जा सकते हैं। यह बच्चे की याददाश्त को बढ़ाने के साथ ही याद रखने की इच्छा भी बनाए रखेगा।

2 नई भाषा

बच्चों को कम उम्र में भी अन्य भाषाओं का ज्ञान होने से उनका दिमाग ऐसे बच्चों की तुलना में तेज चलता है, जो केवल एक ही भाषा जानते हैं। इस तरह से बच्चे में और भी योग्यताएं विकसित होती हैं।

3 खेलकूद

बच्चे खेलकूद में जितने फुर्तीले होते हैं, उनका दिमाग उतना ही तेज और सक्रिय होता है। इस तरह से बच्चों के दिमाग में ऑक्सीजन का प्रवाह भी सही होता है, जो उनके दिमाग के लिए बहुत अच्छा होता है।

4 कलात्मकता

बच्चों का कला के प्रति रूझान दिमाग को विकसित करता है और नई चीजों के सीखने में मदद करता है। इस प्रकार बच्चों की कल्पनाशीलता में भी वृद्धि होती है, और वे बहुआयामी सोच रखते हैं।

5 गणित

जी हां, बचपन से ही बच्चे को गणित का अच्छा अभ्यास होना उसके दिमाग को तेज करने में मदद करता है। यही कारण है कि जिन लोगों की गणित में अधिक रूची होती है, वे अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा बुद्धिमान होते हैं।

ई-बुक नहीं बुक पढ़ें

आधुनिक तकनीक ने जहां एक ओर हमारे जीवन को आसान बना दिया है, वहीं दूसरी ओर इसकी वजह से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। रात में आईपैड, लैपटॉप या ई-रीडर पर किताबें पढने से नींद की गुणवत्ता कम हो जाती है। इससे सोने के लिए तैयार होने में लगने वाले वक्त और नींद के कुल समय पर नकारात्मक असर पडता है। हाल ही में अमेरिका में हुए इस शोध की प्रमुख एक यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर एना मारिया का कहना है कि इस शोध के लिए कुछ लोगों पर कई हफ्ते तक नजर रखी गई। इसमें से आधे लोगों को रात में सोने से पहले ई-बुक और आधे लोगों को सामान्य किताब पढने के लिए कहा गया।

इसके बाद इन लोगों में नींद वाले हॉर्मोन मेलाटोनिन के स्तर, नींद की गहराई और अगली सुबह उनकी सजगता के स्तर की जांच की गई। शोध में पाया गया कि जो लोग रोज ई-बुक पढ़ते हैं, वे कई घंटे कम सोते हैं और उनमें रैपिड आई मूवमेंट स्लीप का समय भी कम हो जाता है। गौरतलब है कि नींद की इसी अवस्था में यादें संरक्षित होती हैं। इसलिए ज्यादा समय तक ई-बुक पढने से स्मरणशक्ति कमजोर होती है और डिमेंशिया का भी खतरा बढ़ जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर आप पढने की शौकीन हैं तो ई-बुक के बजाय किताबों के साथ वक्त बिताएं। अगर किसी वजह से ई-बुक पढना जरूरी हो तो भी रात में सोने से पहले ई-बुक पढने से बचें।

बच्चों की परवरिश में ध्यान रखनी चाहिए ये बातें

बेटे-बेटी के लालन-पालन में भेद नहीं होना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार तो यह पाप है। इस संसार की जो पहली पांच संतानें हुई थीं, उनमें से तीन बेटियां थीं। मनु-शतरूपा हिंदू संस्कृति के अनुसार मनुष्यों के पहले माता-पिता थे और उनसे जो मैथुनि सृष्टि निर्मित हुई उसमें दो पुत्र- उत्तानपाद और प्रियव्रत तथा तीन बेटियां -आकुति, देवहुति और प्रसूति ने जन्म लिया था। समझदार माता-पिता अब दोनों को एक जैसा पाल रहे हैं, लेकिन इसी के साथ एक जागरूकता और आनी चाहिए। लालन-पालन में भेद न करें, लेकिन दोनों के सामने जो भविष्य में चुनौतियां आने वाली हैं, उस फर्क को उन्हें जरूर समझाएं। बेटियों को एक दिन बहू बनना है, जो सबसे बड़ी चुनौती है।

इस समय की पढ़ी-लिखी बच्चियां अपने वैवाहिक जीवन के बाद के भविष्य को लेकर थोड़ी चिंतित तो हैं पर फिर भी एक बेफिक्री है कि संबंध नहीं जमा तो तोड़ लेंगे। किंतु उनके मां-बाप के लिए तो यह जीवन-मरण का प्रश्न है, इसलिए बच्चों के लालन-पालन में बेटे-बेटी को यह एहसास जरूर कराया जाए कि स्त्री के लिए क्या मायने हैं ससुराल के। पहला तो बदलाव, दूसरा अपेक्षा और तीसरा अपने ससुराल में आत्मनिर्भर होकर बिना कलह के मार्ग ढूंढ़ना। ये तीन बड़ी चुनौतियां स्त्री के सामने आती हैं। स्त्री जब बहू बनती है तो उसे नए घर में दो बातें नहीं भूलनी चाहिए। योजनाबद्ध तरीके से विनम्रता के साथ सबको जीता जाए। पेट की भूख सही ढंग से यदि मिटा दी जाए, तो दिल जीता जा सकता है, इसलिए अन्न पर माता-बहनों का नियंत्रण किसी भी घर में समाप्त नहीं होना चाहिए। जिस घर में माता-बहनों के हाथ से अन्न का नियंत्रण निकलेगा, उस घर में शांति संदेहास्पद हो जाएगी। इस चुनौती को इसी तरह से समझाया जाए।

बच्चों की परीक्षा के समय ध्यान रखें ये बातें

कई बार परीक्षा में पेपर देखते ही हम ब्लैंक हो जाते थे। कई शोधों में ये बात सामने आई है कि इसकी वजह अत्यधिक तनाव बढ़ता है। अक्सर टीनएजर्स इस तनाव से गुजरते हैं। वे इसे अपने दोस्तों, माता-पिता और शिक्षकों के सामने मान-प्रतिष्ठा से जोड़कर देखते हैं। परीक्षा के समय में बच्चों से जुड़ी इन बातों का ध्यान रखना चाहिए...

1. व्यवस्थित बनाएं

उसकी जरूरत की चीजों को उसके पास रखें। सारी चीजें का ढेर न लगा दें। अगर बच्चें की अंग्रेजी की परीक्षा है तो ध्यान रहे उस वक्त व गणित की किताबें न पलटें। टाइमटेबल बनाने में उसकी मदद करें। मैक्स हेल्थकेयर गुड़गांव की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एनी सिमि जॉन कहती हैं उसे एक बार में एक ही काम करने को कहें।

2. ब्रेक लेने के लिए कहें

शोध बताते हैं कि ज्यादा वक्त तक बैठना उपयोगी नहीं होता। लगातार 50 से 90 मिनट तक बैठना सही माना जाता है। अपने बच्चे को हर चार घंटे बाद करीब 15 मिनट का ब्रेक लेने को कहें। यह दिमाग को सूचनाएं याद रखने में मदद करता है। उसे बाहर वॉक करने के लिए कहें। ऑक्सीजन रक्त संचार को बढ़ाता है। फिजिकल एक्टिविटी भी तनाव कम करती है।

3. पावर फूड दें

पढ़ाई के दौरान दिमाग सारे ग्लुकोज का उपभोग कर लेता है। कोलकाता की न्युट्रिशनिस्ट हीना नफीस कहती हैं बच्चे को पढ़ाई के दौरान शरीर को फिर से फ्यूल देना पढ़ता है। उसे ओमेगा थ्री और मेग्नीशियम और आयरन की ज्यादा मात्रा वाला भोजन दें। उसे नट्स, किडनी बीन्स और ताजे फल खाने को दें।

4. समय पर सोने को कहें

जर्मनी में यूनिवर्सिटी ऑफ ल्युबैक की एक रिसर्च के मुताबिक दिमाग नींद के दौरान नई चीजों को स्टोर करता है। इसके लिए 8 घंटे की नींद जरूरी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरुद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा, डीसी ने समयबद्ध पूरा करने और डेटा शुद्धता पर दिया जोर

कठुआ, 21 फरवरी (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और डेटा की शुद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में सहायक आयुक्त विकास अखिल सडोत्रा ने मनरेगा के तहत कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 82.96 प्रतिशत ई-केवाईसी सत्यापन पूरा हो चुका है। डीसी ने शेष ई-केवाईसी जल्द पूर्ण करने तथा डेटा को सही और पारदर्शी बनाए रखने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत जिले में 95 प्रतिशत प्रगति हासिल होने की जानकारी दी गई जिस पर उपायुक्त ने शेष लक्ष्य निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन कार्यों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय, प्रभावी निगरानी और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया ताकि ग्रामीण क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

मिशन युवा के तहत नगरी परोल में उद्यमिता जागरूकता मेला आयोजित

कठुआ, 21 फरवरी (हि.स.)। युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं परामर्श केंद्र कठुआ द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से नगरी परोल में मिशन युवा के तहत एक दिवसीय पोटेंशियल एंटरप्रेन्योरशिप-कम-अवेयरनेस मेला आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सहायक निदेशक रोजगार पियूषा खजूरिया ने मिशन युवा की उद्देश्यों, पात्रता और उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त कठुआ सुरेंद्र मोहन शर्मा ने युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि मिशन युवा युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मेले में विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को सरकारी योजनाओं, पंजीकरण प्रक्रिया, वित्तीय सहायता और अन्य लाभों की जानकारी दी। साथ ही सफल उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा कर युवाओं को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में एसएई क्लब की तकनीकी पहल

जम्मू, 21 फ़रवरी (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के एसएई एसएमवीडीयू क्लब ने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग से परिचित कराने और उन्हें व्यावहारिक तकनीकी अनुभव प्रदान करने हेतु कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। इस पहल की शुरुआत एक परिचयात्मक सत्र से हुई जिसमें क्लब की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं, बीएजेए एसएई इंडिया और सुप्रा एसएई इंडिया में भागीदारी की जानकारी दी गई। वरिष्ठ सदस्यों ने प्रतिस्पर्धी एसएई वाहन के डिजाइन, निर्माण और टीमवर्क से जुड़े अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को कक्षा से परे सीखने के अवसरों के प्रति प्रेरित किया।13 फरवरी 2026 को क्लब ने पिछले वर्ष निर्मित एसएईवाहन पर आधारित एक इंटरैक्टिव हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किया। इसमें विद्यार्थियों को ऑल-टेरेन वाहन के चेसिस, सस्पेंशन, ब्रेकिंग सिस्टम और पावरट्रेन का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया। कोर टीम सदस्यों ने डिजाइन प्रक्रिया, सामग्री चयन, सुरक्षा मानकों और निर्माण व परीक्षण के दौरान आई चुनौतियों की विस्तृत जानकारी दी। इस व्यावहारिक प्रदर्शन से विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों से जोड़ने में सहायता मिली। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025 में हैदराबाद में आयोजित बीएजेए एसएई इंडिया प्रतियोगिता में सक्रिय भागीदारी करते हुए महत्वपूर्ण तकनीकी अनुभव अर्जित किया।

जम्मू विश्वविद्यालय में गेस्ट फैकल्टी नियुक्ति प्रणाली पर अभाविप की चिंता, पारदर्शी संवाद और स्थायी भर्ती की मांग

जम्मू, 21 फ़रवरी (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), जम्मू-कश्मीर इकाई ने जम्मू विश्वविद्यालय में गेस्ट फैकल्टी नियुक्ति प्रणाली में प्रस्तावित बदलावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। संगठन ने कहा कि शिक्षकों और छात्रों को प्रभावित करने वाला कोई भी निर्णय पारदर्शिता, निष्पक्षता और व्यापक परामर्श के साथ लिया जाना चाहिए। अभाविप ने कहा कि शिक्षक उच्च शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी सेवा शर्तों, नौकरी की सुरक्षा तथा पेशेवर गरिमा से जुड़े मुद्दों पर बिना विचार-विमर्श के कोई भी नीतिगत परिवर्तन उचित नहीं है। अचानक किए गए बदलाव से शिक्षकों में असमंजस की स्थिति पैदा हो सकती है और शैक्षणिक वातावरण तथा कक्षाओं की निरंतरता प्रभावित हो सकती है।

संगठन ने यह भी रेखांकित किया कि विश्वविद्यालय के दूरदराज़ और सीमावर्ती परिसरों में गेस्ट एवं अनुबंधित फैकल्टी पर काफी निर्भरता है। यदि उनकी नियुक्ति प्रक्रिया में व्यवधान आता है तो इन क्षेत्रों के छात्रों की पढ़ाई पर सीधा असर पड़ेगा जहां पहले ही उच्च शिक्षा के अवसर सीमित हैं। अभाविप ने स्थायी और नियमित भर्ती की मांग दोहराते हुए कहा कि इससे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संरचना को स्थिरता और दीर्घकालिक मजबूती मिलेगी। हालांकि जब तक नियमित नियुक्तियां नहीं होतीं, तब तक पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से अनुबंधित फैकल्टी की नियुक्ति जारी रहनी चाहिए ताकि शैक्षणिक रिक्तता न उत्पन्न हो। अभाविप के प्रदेश सचिव सन्नक श्रीवत्स ने विश्वविद्यालय प्रशासन से शिक्षकों और छात्र संगठनों सहित सभी हितधारकों के साथ समयबद्ध और सार्थक संवाद शुरू करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि चिंताओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीकों से अपनी आवाज उठाएगा।

भदरवाह से लैवेंडर के 6 लाख पौधे मंगवाए गए, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के 650 नए किसानों में किए गए वितरित

भदरवाह, 21 फ़रवरी (हि.स.) जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में लैवेंडर की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के तहत भदरवाह की 50 नर्सरियों से लैवेंडर के 6 लाख उच्च गुणवत्ता वाले पौध (क्यूपीएम) खरीदे गए। भदरवाह भारत में प्रसिद्ध सुगंधित फसल पर्पल रिवोल्यूशन लाने के लिए जाना जाता है। इन पौधों को लगभग 650 किसानों तक पहुंचाया गया। पारंपरिक फसलों से हटकर अधिक लाभदायक सुगंधित फूलों की खेती करने के इच्छुक नए किसानों को लैवेंडर के पौध का मुफ्त वितरण पर्पल रिवोल्यूशन को और आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सीएसआईआर-आईआईआईएम जम्मू के लैवेंडर वैज्ञानिक डॉ. संदीप सिंह चरक ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जतिंदर सिंह के निर्देश पर पर्पल रिवोल्यूशन को बढ़ावा देने के लिए पौध की खरीद और वितरण का कार्य सीएसआईआर-अरोमा मिशन के तीसरे चरण के अंतर्गत किया गया है। डॉ. संदीप सिंह चरक ने कहा, इस वर्ष अकेले आईआईएम जम्मू ने भदरवाह की 50 नर्सरियों में स्थानीय किसानों द्वारा उगाए गए 6 लाख लैवेंडर के पौधे प्राप्त किए हैं जिन्हें उत्तराखंड के 400 किसानों और जम्मू और कश्मीर के राजौरी, पुंछ और डोडा जिलों के 250 नए किसानों में वितरित किया गया है।

प्रगतिशील किसान और युवा उद्यमी तौकीर बागबान, जिन्हें भारत का लैवेंडर मैन भी कहा जाता है, ने सफलतापूर्वक 2500 किसानों को पारंपरिक मक्का की खेती छोड़कर सुगंधित लैवेंडर की खेती करने के लिए प्रेरित किया है और इस तरह बैंगनी क्रांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, यह लैवेंडर किसानों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है क्योंकि सीएसआईआर-आईआईएम ने न केवल नर्सरी मालिकों से छह लाख पौधे खरीदे बल्कि उन नए किसानों को मुफ्त पौधे भी वितरित किए जो पारंपरिक फसल से लैवेंडर की खेती की ओर रुख करना चाहते हैं। इस सारी सफलता का श्रेय हमारे मंत्री डॉ. जतिंदर सिंह को जाता है लैवेंडर की खेती अपनाने से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जिससे उनकी आमदनी लगभग 40,000-60,000 प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 3,50,000-6,00,000 प्रति हेक्टेयर से अधिक हो गई है। लैवेंडर कम रखरखाव वाली, सूखा-प्रतिरोधी और पशु-प्रतिरोधी फसल है जो इसे पहाड़ी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त बनाती है रोपण के पहले दो वर्षों के बाद यह लगभग 15 वर्षों तक प्रतिफल देती है। कार्यक्रम का व्यापक विस्तार हुआ है जिसके तहत किसानों को 30 लाख से अधिक मुफ्त पौधे दिए गए हैं और अब यह जम्मू-कश्मीर से आगे बढ़कर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तर-पूर्वी रायों सहित भारत के अन्य हिस्सों तक भी फैल गया है।

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली

जम्मू, 21 फ़रवरी (हि. स)। ड्रग तस्करी पर सख्त कार्रवाई करते हुए जम्मू पुलिस के साउथ जोन ने पिछले 24 घंटों के भीतर पुलिस स्टेशन गंग्याल में एनडीपीएस एक्ट के तहत दो अलग-अलग एफ आईआर दर्ज कर नशा कारोबारियों पर कड़ा शिकंजा कसा है। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 30 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की गई साथ ही एक इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन भी जब्त की गई और चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि इस मामले में ये एन डीपीएस एक्ट के सेक्शन 8/21/22 के तहत एफ आईआर नंबर 23/2026, एन डीपीएस एक्ट के सेक्शन 8/21/22/29 के तहत एफ आईआर नंबर 24/2026, एफ आईआर नंबर 23/2026 केस दर्ज किए गए हैं। आरोपियों की पहचान मोहम्मद सबर पुत्र शाह वली निवासी गुज्जर बस्ती, सुंजवान, जम्मू और हनीफा बेगम पत्नी फरीद निवासी राख बरोथियां, सांबा के तौर पर हुई है। उनके पास से लगभग 14 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया है।एफआईआर नंबर 24/2026 में सतपॉल सिंह पुत्र परमजीत सिंह निवासी सैनिक कॉलोनी जम्मू, शुभम चौधरी पुत्र केवल कृष्ण निवासी चुम्बियन जट्टा, बिश्नाह, जम्मू हैं। उनके पास से लगभग 15-18 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया है। कुल मिलाकर पीएस गंग्याल ने 24 घंटे के अंदर लगभग 30 ग्राम हेरोइन ज़ब्त की है।

लरगन ब्राह्मण बिरादरी की वार्षिक मेल 23 फरवरी को

जम्मू, 21 फ़रवरी (हि.स.)। लरगन ब्राह्मण बिरादरी की एक अहम बैठक आज गांव लरगन में प्रधान ओम प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में 23 फरवरी सोमवार को कुलदेवी स्थान, गांव लरगन में आयोजित होने वाले वार्षिक मेल की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक के दौरान विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और आयोजन को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां भी तय की गईं। प्रधान ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि मेले के अवसर पर कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 9 बजे कुलदेवी पूजन, हवन-यज्ञ और सत्संग का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि धार्मिक अनुष्ठानों के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। बिरादरी के सदस्यों से व्यवस्था बनाए रखने और कार्यक्रम को श्रद्धा व अनुशासन के साथ संपन्न कराने में सहयोग की अपील की गई। प्रधान ओम प्रकाश शर्मा ने समस्त बिरादरी और क्षेत्रवासियों से आह्वान किया कि वे अपने परिवार सहित कुलदेवी स्थान, लरगन में आयोजित मेले में भाग लेकर कुलदेवी का आशीर्वाद प्राप्त करें और सामाजिक एकता को मजबूत बनाएं।

कठुआ पुलिस ने गौ-तस्करी की कोशिश नाकाम की, 9 गोवंश मुक्त, चालक गिरफ्तार

कठुआ/हीरानगर, 21 फरवरी (हि.स.)। गौ-तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कठुआ पुलिस ने एनएचडब्ल्यू लोंडी क्षेत्र में एक ट्रक से 9 गोवंश को मुक्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया तथा वाहन को जब्त कर लिया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा के निर्देशन में की गई। पुलिस स्टेशन हीरानगर की टीम ने नाका जांच के दौरान पंजाब से जम्मू की ओर जा रहे संदिग्ध ट्रक जेके14डी-6067 को रोका। तलाशी लेने पर ट्रक में कुल 9 गोवंश अमानवीय तरीके से लदे पाए गए जिन्हें तुरंत मुक्त कराया गया।

रोहीन चंदन ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कांग्रेस के शर्टलेस प्रदर्शन की कड़ी निंदा की

जम्मू, 21 फ़रवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मीडिया सचिव जिला जम्मू दक्षिण रोहीन चंदन ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित प्रतिष्ठित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और उसके युवा विंग द्वारा किए गए शर्मनाक और अभद्र शर्टलेस प्रदर्शन की कड़ी निंदा की।

भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के सदस्यों द्वारा आयोजित इस प्रदर्शन ने एक ऐतिहासिक वैश्विक कार्यक्रम को बाधित किया जिसमें भारत की तकनीकी प्रगति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में उसकी महत्वाकांक्षाओं को प्रदर्शित किया गया था। इस घटना को राष्ट्रीय शर्म बताते हुए रोहीन चंदन ने कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व विशेष रूप से राहुल गांधी की ऐसे कृत्य का समर्थन करने के लिए आलोचना की जिसने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि धूमिल की।

उन्होंने कहा, ‘यह शर्टलेस प्रदर्शन असहमति की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि दुनिया के सामने भारत को शर्मिंदा करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास था यह प्रदर्शन प्रदर्शनी हॉल के अंदर हुआ जहाँ शिखर सम्मेलन चल रहा था। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने क्यूआर कोड और पास का इस्तेमाल करके हॉल में प्रवेश किया। उन्होंने अपनी कमीजें उतार दीं प्रधानमंत्री के विरोध में नारे लगाए और अपमानजनक संदेशों वाली टी-शर्ट पहनीं उनके इस उपद्रवी व्यवहार के कारण सुरक्षाकर्मियों को तुरंत हस्तक्षेप करना पड़ा जिसके परिणामस्वरूप कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। अधिकारी अब चेहरे की पहचान और सुरक्षा प्रोटोकॉल को दरकिनार करने के प्रयासों से जुड़ी एक बड़ी साजिश की जांच कर रहे हैं। रोहिन चंदन ने इस विरोध प्रदर्शन की निंदा करते हुए इसे कांग्रेस की हताशा और बेशर्मी की राजनीति का एक नया निम्न स्तर बताया।

उन्होंने आगे कहा, जब भारत एआई नवाचार में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है तब कांग्रेस एक मूर्खतापूर्ण और अशोभनीय तमाशा कर रही है।

71 लाख की लागत से कल्यारी लिंक रोड का शिलान्यास, क्षेत्र की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

कठुआ/जसरोटा, 21 फरवरी (हि.स.)। क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विधायक जसरोटा राजीव जसरोटिया ने कल्यारी में 71 लाख की लागत से बनने वाली लिंक रोड और पुलिया निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। यह परियोजना रोड सेक्टर (यूटी) कैपेक्स के तहत स्वीकृत की गई है जिससे कल्यारी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर विधायक जसरोटिया ने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की जीवनरेखा होती हैं और इस परियोजना से न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि स्थानीय लोगों के लिए आर्थिक अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा और गुणवत्ता मानकों के अनुसार पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में मंडल प्रधान बलवंत सिंह, सरपंच शिव देव सिंह, नायब सरपंच मोहन सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि, पंच और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। स्थानीय निवासियों ने लंबे समय से लंबित इस मांग को पूरा करने पर विधायक का आभार जताया और विकास कार्यों में सहयोग का भरोसा दिलाया

तेंदुओं की मौजूदगी से इलाके में दहशत का माहौल

बारामूला, 21 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू कश्मीर के कई इलाकों में तेंदुओं का दिखाई देना आम बात होती जा रही है। शाह मोहल्ला रंगवार क्षेत्र में बीती रात दो तेंदुओं के घूमने की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। तेंदुओं की मौजूदगी से इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार तेंदुए देर रात रिहायशी इलाकों के पास देखे गए जिसके बाद लोगों ने तुरंत वन विभाग और प्रशासन को सूचित किया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर क्षेत्रवासियों को घरों के अंदर रहने और बच्चों को बाहर न भेजने की केके और तुरंत संबंधित विभाग को सूचना दें। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर निगरानी कर रही है और तेंदुओं को सुरक्षित तरीके से पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि अफवाहों पर ध्यान न दें

GOVT. POLYTECHNIC FOR WOMEN

Lower Shiv Nagar Near, AG's office Jammu-180001

राजकीय महिला पॉलिटेक्निक शिवनगर (एजी कार्यालय के पास) जम्मू

Contact Numbers: 0191-2955320, 2957937|Website: www.gpfwjammu.edu.in Email: prpl.gpfwj@jk.gov.in

Er. Neelanjana Manwati Principal

BID NOTICENO.04of 2026
Dated: 19-02-2026
BID NOTICE FORCANTEEN SERVICES

Bids areinvitedfromeligibleregistered and licensed Caterer's Firm and Agency having sound professional expertise for providing Canteen services in Institution/ Offices having registered/ authorized office at UT of J&K through the GEM portal.The Bidder must have sufficient experience of providing the CanteenServicesin reputed organizations like Government or Public Sector for atleast Two years betweenthe years 2020-2025 immediately preceding the date of publishing of this tender. The critical dates and costs for the Canteen Service bid are as under:

Critical Dates:

1 Date of Issuance of Notice	Thursday, 19-02-2026
2 Bid Submission start Date	Friday, 20-02-2026
3 Last date & Time of Submission of Bid	Monday, 02-03-2026, 16:00pm
4 Name & Designation of Authority Inviting Bid	Principal, Government Polytechnic for Women Jammu for Women, Jammu

Cost

Tender form/ Processing Fee	Rs. 1000/- DD favoring Principal Govt. Polytechnic for Women Jammu payable at Jammu
EMD	Rs. 2500/- DD favoring Principal Govt. Polytechnic for Women Jammu payable at Jammu
Performance Security	Rs. 5000/- CDR pledged to Principal Govt. Polytechnic for Women Jammu payable at Jammu from the successful Bidder
Rent	Rs. 3000/- per month from the successful Bidder

Bidders have to deposit the Tender form/ processing fees/ EMDas per bid details on GEM portal in the form of Demand Draft drawn in favour of "Principal Govt. Polytechnic for Women Jammu" payable at Jammu.

The Biddermust uploadthe tenderbefore the last dayoffiling and date notified in the tender form stated in the schedule of tender. The tender received after the scheduled date and time will not be allowed in bidding and it will be rejected summarily. The Bidders qualifying in the technical bid will be allowed to submit financial bid on the GeM Portal.

Bid Documents arealsoavailableontheofficial website of Govt. Polytechnic for Women Jammu i.e. www.gpfwjammu.edu.in for reference. For any queries contact Mr. Sahil Gupta Senior Assistant 8082355433(M).

DIP/J-11885/25
Dtd: 21-2-2026

Sd/-
Principal,
Government Polytechnic for Women, Jammu

No: WPJ/F-253/25 Dated: 19-02-2026

श्रीनगर में 'आदि शंकराचार्य संसार' राष्ट्रीय कला कार्यशाला का तीसरा दिन, शंकराचार्य मंदिर और अद्वैत वेदांत से प्रेरित कलाकृतियों ने मोहा दर्शकों का मन

जम्मू, 21 फ़रवरी (हि.स.)। सात दिवसीय राष्ट्रीय कला कार्यशाला 'आदि शंकराचार्य संसार' का तीसरा दिन आज 43 बटालियन मुख्यालय सीआरपीएफ, जिला पुलिस लाइन बडगाम में रचनात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक भावनाओं के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यशाला का आयोजन मास्टर संसार चंद बारू मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किया जा रहा है।

तीसरे दिन प्रतिभागियों ने ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर, कश्मीर की आध्यात्मिक विरासत और अद्वैत वेदांत की शिक्षाओं से प्रेरित लाइव कैनवास पर सृजन किया। गोपाद्री पहाड़ी पर स्थित यह प्राचीन मंदिर श्रीनगर और डल झील के विहंगम दृश्य के साथ कश्मीर की दार्शनिक परंपरा का प्रतीक है।

कार्यशाला में श्रीनगर से मोहम्मद इरफान भट, मोहम्मद सुहैल खान, उमैद नियाज़ रेशी, सैयद मुरसलीन और सुहैब अहमद हकीम के साथ दिल्ली की शर्मिला शर्मा और कोलकाता के अपूर्वा कराती भाग ले रहे हैं।

प्रतिभागियों में जामिया सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के ललित कला के शोधार्थी और स्नातकोत्तर विद्यार्थी शामिल हैं। एमएससीबीएमसी ट्रस्ट की अध्यक्ष अनुराधा ऋषि ने कहा कि कला केवल अभिव्यक्ति नहीं बल्कि आत्मिक यात्रा है जो एकता, शांति और सकारात्मक सोच का संदेश देती है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मंच रचनात्मकता के साथ-साथ चरित्र निर्माण और सांस्कृतिक समन्वय को भी सशक्त करते हैं।

कार्यशाला में चित्रकला सत्रों के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। समापन पर श्रीनगर में आदि शंकराचार्य की विरासत को समर्पित कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

गांदरबल में आईईडी बरामद, सुरक्षा बलों ने क्षेत्र को घेरा

गांदरबल, 21 फरवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों ने एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का पता लगाया, जिससे संभावित बड़े हादसे को टाल दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, आईईडी को एक बैग में रखकर जिले के सफापोरा क्षेत्र स्थित कोहेस्तान कॉलोनी के पास गुलाब शेख मोहल्ला में सड़क किनारे छोड़ा गया था। नियमित तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को संदिग्ध बैग दिखाई दिया, जिसके बाद इलाके को तत्काल घेर लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। टीम द्वारा आईईडी को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एहतियातन आसपास के क्षेत्र में आवाजाही पर अस्थायी रोक लगाई गई है।

संपादकीय

तनावमुक्त परीक्षा का मंत्र

जैसे-जैसे परीक्षा का मौसम नज़दीक आ रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत लोकप्रिय संवादात्मक कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा का 9वां संस्करण देशभर के बच्चों के लिए एक अत्यंत प्रासंगिक संदेश लेकर आया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान तनाव और चिंता से दूर रखते हुए आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में बैठने के लिए प्रेरित करना है, क्योंकि परीक्षा के समय तनाव कई बार छात्रों के प्रदर्शन में बाधा बन जाता है।

यह कार्यक्रम 4.5 करोड़ से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए एक अनूठा अनुभव रहा, जिन्होंने मायगव पोर्टल के माध्यम से इसके लिए पंजीकरण कराया। प्रधानमंत्री ने अपने बचपन से लेकर वर्तमान तक के जीवन अनुभवों से प्राप्त समझ के आधार पर इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार साझा किए।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विशिष्ट और प्रभावशाली अंदाज़ में छात्रों को अपनी **अद्वितीय सीखने की शैली पर भरोसा रखने** की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कोई भी दो व्यक्ति एक जैसे नहीं सोचते और न ही एक ही तरीके से विकसित होते हैं। प्रत्येक विद्यार्थी की अपनी अलग तैयारी शैली होती है और उस पर पूर्ण विश्वास रखना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को शिक्षकों, माता-पिता और मार्गदर्शकों की सलाह को ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए, उसे गहराई से समझना चाहिए और जो उपयोगी हो, उसे अपनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने छात्रों को दूसरों की नकल करने के बजाय सलाह में अपने अनुभव और आत्म-समझ जोड़ने के लिए प्रेरित किया।

यह दृष्टिकोण वैश्विक स्तर पर भी अनूठा है, क्योंकि विभिन्न देशों के शीर्ष नेतृत्व में इस तरह का सीधा और संवेदनशील संवाद दुर्लभ देखने को मिलता है। आने वाली पीढ़ी के राष्ट्र-निर्माताओं के लिए समय निकालना और उन्हें आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाना, युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में प्रवाहित कर राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रधानमंत्री की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कुल मिलाकर, परीक्षा पे चर्चा की परिकल्पना अपने आप में समयानुकूल और सार्थक है। यह बच्चों में सकारात्मक सोच विकसित करने, अनुशासित दिनचर्या अपनाने और परीक्षा अवधि के दौरान मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर जोर देता है, जो युवा पीढ़ी के भविष्य को आकार देने में एक निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

प्रधानमंत्री का संदेश अभिभावकों और शिक्षकों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सलाह दी कि हर बच्चे की सीखने की गति को समझते हुए संवेदनशील बने रहें। विशेष रूप से शिक्षकों के लिए यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण था कि वे छात्रों से केवल एक कदम आगे रहें, बहुत अधिक नहीं, ताकि मार्गदर्शन सहज और प्रेरणादायक बना रहे, न कि भय पैदा करने वाला।

प्रधानमंत्री की परीक्षा पे चर्चा की महत्ता को देखते हुए यह हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि इस संदेश का सार उन लोगों तक भी पहुँचाया जाए जो किसी कारणवश इस कार्यक्रम से जुड़ नहीं पाए। यह संदेश सार्वभौमिक महत्व का है और देश का कोई भी नागरिक प्रधानमंत्री द्वारा किए गए इस प्रेरक प्रयास से अनभिज्ञ नहीं रहना चाहिए।

एआई का नया युग और भारत की मानव केंद्रित दृष्टि

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अवसंरचना से जुड़े निवेश प्रस्ताव 250 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुके हैं, जबकि डीप-टेक और वेंचर कैपिटल निवेश प्रतिबद्धताएं लगभग 20 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। इन प्रतिबद्धताओं का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि एआई अवसंरचना में उच्च क्षमता वाले डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर निर्माण और साइबर सुरक्षा जैसे घटक शामिल होते हैं।

यह निवेश संकेत देता है कि भारत केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एआई समाधान विकसित करने वाला वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय इंजीनियरों और शोधकर्ताओं द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता वाले मॉडल उद्योग जगत के लिए आश्चर्य का विषय बने हैं।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

नई तकनीकी क्रांति के इस दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक शक्ति संतुलन, आर्थिक निवेश और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाला परिवर्तनकारी उपकरण बन चुका है। देश की राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह संकेत स्पष्ट कर दिया कि भारत इस परिवर्तन के केंद्र में स्वयं को स्थापित कर रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार यह आयोजन भव्य रूप से सफल रहा और देश को एआई क्षेत्र में 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह आंकड़ा आज सिर्फ आर्थिक भरोसे का संकेत नहीं है, यह तो वैश्विक मंच पर भारत की नीति-दृष्टि की स्वीकृति को रेखांकित करता है।

मानव-केंद्रित एआई : भारत की विशिष्ट पहचान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मानव एआई की परिकल्पना इंसानों का, इंसानों द्वारा और इंसानों के लिए एआई को व्यापक वैश्विक समर्थन मिला। इस दृष्टि का सार यह है कि एआई का विकास केवल व्यावसायिक लाभ या तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित न रहे, बल्कि सामाजिक कल्याण, नैतिक मानकों और समावेशी विकास को प्राथमिकता दे। समिट में 70 से अधिक देशों ने अंतिम घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जोकि पिछले सम्मेलन से अधिक संख्या है। वस्?तुत: यह तथ्य दर्शाता है कि जिम्मेदार और नैतिक एआई पर भारत की पहल को बहुपक्षीय समर्थन प्राप्त हुआ है।

निवेश का अभूतपूर्व प्रवाह: विश्वास का आर्थिक रूप

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अवसंरचना से जुड़े निवेश प्रस्ताव 250 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुके हैं, जबकि डीप-टेक और वेंचर कैपिटल निवेश प्रतिबद्धताएं लगभग 20 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। इन प्रतिबद्धताओं का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि एआई अवसंरचना में उच्च क्षमता वाले डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर निर्माण और साइबर सुरक्षा जैसे घटक शामिल होते हैं।

यह निवेश संकेत देता है कि भारत केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एआई समाधान विकसित करने वाला वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय इंजीनियरों और शोधकर्ताओं द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता वाले मॉडल उद्योग जगत के लिए आश्चर्य का विषय बने हैं।

रिकॉर्ड भागीदारी और वैश्विक उपस्थिति

समिट में 5 लाख से अधिक आगंतुकों ने भाग लिया। विश्व के लगभग सभी प्रमुख एआई प्रतिष्ठानों, उद्योग दिग्गजों और स्टार्टअप्स की भागीदारी ने इसे वैश्विक मंच का रूप दिया। प्रदर्शनी में नई तकनीकों, नवाचारों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का प्रदर्शन हुआ। मंत्रिस्तरीय संवाद, लीडर्स प्लेनरी और उद्घाटन सत्रों में चर्चाओं की गुणवत्ता को असाधारण बताया गया।

ढाई लाख विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ एक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना, जो यह दर्शाता है कि भारत एआई को युवा शक्ति से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह भागीदारी भविष्य की कौशल संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

एआई स्टैक और सॉवरेन मॉडल- रणनीतिक आत्मनिर्भरता

भारत ने एआई स्टैक की पांच परतों के निर्माण की नीति अपनाई है, जिसमें डेटा, प्लेटफॉर्म, मॉडल, एप्लिकेशन और गवर्नेंस शामिल हैं। सॉवरेन बुके मॉडल की अवधारणा का उद्देश्य देश के लिए स्वदेशी एआई क्षमताओं का विकास करना है, जिससे रणनीतिक निर्भरता कम हो सके।

एआई सुरक्षा के लिए 12 संस्थानों का नेटवर्क तैयार किया गया है, जो मानकों, शोध और परीक्षण पर कार्य कर रहा है। सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को सुदृढ़ करने के लिए पैक्स सिलिका समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल चिप निर्माण और संपूर्ण सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एआई का व्यावहारिक उपयोग- भारत की बढ़त

अमेरिकी कंपनी ओपनएआई के अनुसार तकनीकी कार्यों के लिए चैटजीपीटी के उपयोग में भारत वैश्विक औसत से काफी आगे है। भारत में डेटा विश्लेषण का उपयोग वैश्विक औसत से लगभग चार गुना अधिक है, जबकि कोडिंग के लिए कोडेक्स का उपयोग करीब तीन गुना ज्यादा है। भारतीय उपयोगकर्ता कोडिंग से जुड़े प्रश्न वैश्विक औसत की तुलना में तीन गुना अधिक पूछते हैं और शिक्षा से संबंधित प्रश्न लगभग दोगुने हैं।

साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 10 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जिससे भारत अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा बाजार बन गया है। कार्य से संबंधित उपयोग 35 प्रतिशत तक है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि एआई को कार्यालयों में ड्राफ्टिंग, एडिटिंग, तकनीकी सहायता और डिबगिंग के लिए प्रभावी उपकरण के रूप में अपनाया जा रहा है।

युवा शक्ति और जनसांख्यिकीय लाभ

18 से 24 वर्ष आयु वर्ग कुल संदेशों का लगभग आधा हिस्सा भेजता है, जबकि 18 से 34 वर्ष वर्ग 80 प्रतिशत उपभोक्ता संदेशों के लिए जिम्मेदार है। यह जनसांख्यिकीय प्रवृत्ति बताती है कि भारत की युवा आबादी तकनीकी परिवर्तन को तेजी से अपना रही है। भौगोलिक दृष्टि से तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे तकनीकी केंद्र कोडिंग क्षमताओं के उपयोग में अग्रणी हैं। यह क्षेत्रीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूती को दर्शाता है।

वैश्विक सहयोग- ग्लोबल साउथ की आवाज

कनाडा, स्विट्जरलैंड, ब्राजील और अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने भारत की पहल की सराहना की। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के नेतृत्व में आए बड़े प्रतिनिधिमंडल ने एआई, रक्षा, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में साझेदारी को ऐतिहासिक बताया। कनाडा के मंत्री इवान सोलोमन ने इसे सभी देशों के लिए खुला मंच बताया। यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि तकनीकी क्रांति में विकासशील देशों की भागीदारी सुनिश्चित करना वैश्विक असमानताओं को कम करने का माध्यम बन सकता है।

स्वास्थ्य और नियमन- जिम्मेदार विस्तार की आवश्यकता

डब्ल्यूएचओ की पूर्व डिप्टी डायरेक्टर जनरल सौम्या स्वामीनाथन ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इमेज रिकग्निशन और पैटर्न एनालिसिस के माध्यम से एक्स-रे और पैथोलॉजी स्लाइड पढ़ने जैसे कार्य विशेषज्ञों की कमी वाले क्षेत्रों में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने एआई उत्पादों के लिए क्लिनिकल ट्रायल, नियामक ढांचा और सुरक्षा मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया। यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि तकनीकी विस्तार के साथ गवर्नेंस फ्रेमवर्क का सुदृढ़ होना अनिवार्य है। एआई का लोकतंत्रीकरण तभी सार्थक होगा जब मानक, बेंचमार्क और पारदर्शी नियम लागू किए जाएं।

विश्वास, निवेश और दृष्टि का संगम

अत: यहां निष्?कर्ष रूप में यही कहना होगा कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत एआई युग में निर्णायक भूमिका निभाने की तैयारी कर चुका है। 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश प्रस्ताव, रिकॉर्ड भागीदारी, वैश्विक समर्थन और युवा शक्ति की सक्रिय उपस्थिति इस परिवर्तन की आधारशिला हैं।

भारत की मानव-केंद्रित नीति, संतुलित विदेश नीति और विशाल प्रतिभा भंडार ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया है जिसमें तकनीकी नवाचार सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ सके। एआई का अगला अध्याय केवल एल्गोरिद्म और डेटा तक सीमित नहीं रहेगा; यह विश्वास, सहयोग और समावेशी विकास की कहानी भी लिखेगा। भारत इस कहानी का केंद्रीय पात्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

किशनगंज सैन्य छावनी को लेकर दोहरी राजनीति कब तक?

राष्ट्र की सुरक्षा खंडों में नहीं चलती। रेल, सड़क, संचार और सैन्य उपस्थिति, ये सब मिलकर समग्र सुरक्षा तंत्र बनाते हैं। यदि एक का समर्थन और दूसरे का विरोध किया जाए, तो यह रणनीतिक दृष्टि नहीं, राजनीतिक अवसरवाद कहलाता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि सुरक्षा जैसे विषय को भी पहचान और ध्रुवीकरण के चश्मे से देखा जाने लगा है। सेना की छावनी कोई सांप्रदायिक या राजनीतिक प्रतीक नहीं होती; वह राष्ट्रीय एकता का संरक्षक स्तंभ होती है। उसे विवाद का विषय बनाना दूरगामी खतरों को आमंत्रण देना है।

ओम पराशर

किशनगंज में प्रस्तावित सैन्य छावनी को लेकर खड़ा किया गया विवाद केवल भूमि अधिग्रहण का प्रश्न नहीं है, यह नेतृत्व की विश्वसनीयता की अग्निपरीक्षा है। किसान चिंतित हैं और चिंता स्वाभाविक है लेकिन असली सवाल यह है कि क्या जनप्रतिनिधि इन चिंताओं का समाधान खोज रहे हैं या उन्हें राजनीतिक ढाल बनाकर राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहे हैं?

जब वही नेता संसद में खड़े होकर किशनगंज से जुड़े सिलीगुड़ी गलियारे को देश की जीवनरेखा बताते हैं, उसे सामरिक दृष्टि से अनिवार्य मानते हैं, उत्तर-पूर्व को जोड़ने वाली परियोजनाओं को राष्ट्रीय आवश्यकता घोषित करते हैं, तब उनकी आवाज़ में राष्ट्रहित गूंजता है। किंतु जब उसी भूभाग में सेना की स्थायी उपस्थिति की बात आती है, तो वही स्वर विरोध में बदल जाता है। यह विरोध केवल नीति का नहीं, नीयत का भी परीक्षण है।

क्या सुरक्षा केवल रेल लाइन तक सीमित है? क्या परिवहन ढांचा सामरिक है, पर उसकी रक्षा के लिए सैनिक उपस्थिति असामरिक? यदि गलियारे की मजबूती आवश्यक है, तो उसकी सुरक्षा की रीढ़ क्यों विवादास्पद बना दी जाती है? यह विरोधाभास संयोग नहीं हो सकता। यह राजनीतिक सुविधा का गणित है।

भूमि अधिग्रहण निःसंदेह संवेदनशील विषय है। किसानों की आजीविका सर्वोपरि है। परंतु नेतृत्व का दायित्व केवल भावनाओं को हवा देना नहीं बल्कि तथ्यों को स्पष्ट करना भी है। क्या किसानों को बताया गया कि सीमांत क्षेत्र में सैन्य छावनी केवल जमीन का उपयोग नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की दीर्घकालिक सुरक्षा और स्थिरता की गारंटी है? क्या संवाद हुआ, या केवल आशंका को उछाला गया? राष्ट्र की सुरक्षा खंडों में नहीं चलती। रेल, सड़क, संचार और सैन्य उपस्थिति, ये सब मिलकर समग्र सुरक्षा तंत्र बनाते हैं। यदि एक का समर्थन और दूसरे का विरोध किया जाए, तो यह रणनीतिक दृष्टि नहीं, राजनीतिक अवसरवाद कहलाता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि सुरक्षा जैसे विषय को भी पहचान और ध्रुवीकरण के चश्मे से देखा जाने लगा है। सेना की छावनी कोई सांप्रदायिक या राजनीतिक प्रतीक नहीं होती; वह राष्ट्रीय एकता का संरक्षक स्तंभ होती है। उसे विवाद का विषय बनाना दूरगामी खतरों को आमंत्रण देना है। किशनगंज के नागरिक यह जानने के अधिकारी हैं कि उनके नाम पर कौन-सी राजनीति की जा रही है। क्या सचमुच उनकी चिंता प्राथमिक है, या यह एक बड़े राजनीतिक खेल का मोहरा है? नेतृत्व का अर्थ केवल विरोध दर्ज कराना नहीं, बल्कि कठिन निर्णयों के समय साहस दिखाना भी है। यदि जनप्रतिनिधि सचमुच किसानों के हितैषी हैं, तो उन्हें पुनर्वास, उचित मुआवजा और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष करना चाहिए, न कि राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता को ही संदिग्ध ठहराना चाहिए। विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं। आज किशनगंज में जो हो रहा है, वह केवल एक जिले का प्रश्न नहीं है। यह उस राजनीतिक संस्कृति का दर्पण है, जहां राष्ट्रहित और जनभावना के बीच कृत्रिम टकराव पैदा कर लाभ उठाने की कोशिश की जाती है। समय आ गया है कि नेता तय करें कि वे इतिहास में दूरदर्शी राष्ट्रनिर्माता के रूप में दर्ज होना चाहते हैं, या क्षणिक राजनीति के शोर में खो जाना चाहते हैं। किशनगंज की यह कसौटी केवल स्थानीय नहीं, राष्ट्रीय स्मृति में अंकित होगी।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

मातृभाषा के सहारे भारत का सांस्कृतिक विकास

अर्थात अंग्रेजी जैसी विदेशी भाषाओं में प्राप्त शिक्षा से आप प्रवीण तो हो जाओगे किंतु सांस्कृतिक एवं व्यवहारिक दृष्टिकोण से हीन ही रहोगे। मातृभाषा से बच्चों का परिचय घर और परिवेश से ही शुरू हो जाता है। अपनी मातृभाषा में बातचीत करने और चीजों को समझने-समझाने की क्षमता के साथ बच्चे विद्यालय में जाना शुरू करते हैं। इस तरह से अगर मातृभाषा से विद्यालयों में पढ़ाया जाय तो इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं। मातृभाषा को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने के लिए 10 जनवरी 1975 को नागपुर से प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की शुरूआत की गई। इस दिवस में 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मारिशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री सर शिवसागर रामगुलाम ने कहा कि हिंदी अंतरराष्ट्रीय भाषा है।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी) पर विशेष-
सत्येंद्र सिंह

मानव जीवन शैली में शिक्षा हो या व्यवस्था दोनों ही स्थितियों में मातृभाषा का महत्व कितना है यह सर्वविदित है। व्यवहारिक जीवन और अध्ययनशीलता के लिए ककहरा सीखना हो तो मातृभाषा के बिना सब व्यर्थ है। निज भाषा के बिना किसी भी चीज को सीखना, समझना और जानना असंभव है। कवि भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने निज भाषा का महत्व बताते हुए लिखा है कि -

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटन न हिय के सूल ।।

निज भाषा से तात्पर्य हिंदी सहित सभी स्थानीय भारतीय भाषाओं से है। फिर आगे लिखते हैं -

अंग्रेजी पढ़के जदपि, सब गुण होत प्रवीण। पै निज भाषा ज्ञान के, रहत हीन के हीन ।।

अर्थात अंग्रेजी जैसी विदेशी भाषाओं में प्राप्त शिक्षा से आप प्रवीण तो हो जाओगे किंतु सांस्कृतिक एवं व्यवहारिक दृष्टिकोण से हीन ही रहोगे।

मातृभाषा से बच्चों का परिचय घर और परिवेश से ही शुरू हो जाता है। अपनी मातृभाषा में बातचीत करने और चीजों को समझने-समझाने की क्षमता के साथ बच्चे विद्यालय में जाना शुरू करते हैं।

इस तरह से अगर मातृभाषा से विद्यालयों में पढ़ाया जाय तो इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं।

मातृभाषा को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने के लिए 10 जनवरी 1975 को नागपुर से प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की शुरूआत की गई। इस दिवस में 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मारिशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री सर शिवसागर रामगुलाम ने कहा कि हिंदी अंतरराष्ट्रीय भाषा है।

इस अवसर पर बहुत-सी बातें हिंदी, अवधी, भोजपुरी, ब्रजभाषा, मगही, मराठी, कोंकणी, बागड़ी, मारवाड़ी, मालकी, निमाड़ी, बंगला, असमिया, मलयालम, तमिल, तेलगु, कन्नड़, जनजातीय भाषाओं आदि में कही जाती है तो इसका व्यापक प्रभाव होता है।

विदेशों में बसे भारतवंशियों ने अपनी भाषा, संस्कृति, आचार-विचार को साहित्यिक रूप में लिखकर और भी समृद्ध बनाया। दुनिया में 40 देशों के 600 विश्वविद्यालयों में हिंदी की पढ़ाई होती है। ग्लोबल होती दुनिया में हिंदी पारम्परिक ज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मिशाल बन रही है। हिंदी साल दर साल इंग्लिश कंटेंट के 19 प्रतिशत के मुकाबले में 94 प्रतिशत के तेज गति से बढ़ रही है। हिंदी भाषा का प्रकाशपुंज सहिष्णुता, विश्व शांति और सद्भाव का संदेश पूरे विश्व के मानव जगत को दे रहा है।

इसी वजह से भारत में स्थानीय भाषा के विपरीत अगर हम बच्चों को गीत, संवाद के लिए स्थानीय भाषा के बजाय अंग्रेजी को प्रोत्साहित कर रहे हैं तो हम उन्हें अपने परिवेश, संस्कृति और जड़ों से काट देना चाहते हैं। इससे बचने का एक ही तरीका है कि हम अपनी मातृभाषा में संवाद, चिंतन और विचार-विमर्श को दैनिक जीवन की शैली में शामिल करें।

इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर भारत सरकार ने भी 2020 में नई शिक्षा नीति जारी कर भारत भर में निज भाषा में शिक्षा के महत्व को प्रतिपादित किया है, विलुप्त होती भाषाएं अपने अस्तित्व को पुनः प्राप्त कर सकती हैं, यह सराहनीय कदम है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से हिंदी के साथ-साथ भारतीय एवं जनजातीय भाषाओं का महत्व बढ़े, इस ओर ध्यान देना आवश्यक है।

भाषा को जब-तक बाजार अपनाता नहीं है तब-तक भाषा का विकास होता नहीं है। भारतीय बाजार को हिंदी के साथ स्थानीय भाषाओं, जनजातीय भाषाओं को स्वीकारना होगा। भारत में हिंदी एवं स्थानीय भाषाओं का पर्याप्त प्रचार-प्रसार एवं बाजार आधारित शिक्षा व्यवस्था का अनुपालन अनिवार्यतः होना चाहिए। मातृभाषा के सहारे भारत का लोकतांत्रिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक विकास संभव है।

(लेखक, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।)

बीसीसीआई महिला इंटर-जोनल वनडे टूर्नामेंट : नोर्थ जोन से हिमाचल की सुषमा वर्मा का चयन

एजेंसी

धर्मशाला। बीसीसीआई महिला सीनियर इंटर-जोनल वनडे टूर्नामेंट 2025-26 के लिए उत्तरी क्षेत्र की टीम में हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) से सुषमा वर्मा का चयन हुआ है। इसके अलावा स्टैंडबाय खिलाड़ियों में शिवानी सिंह और ज्योति ठाकुर शामिल हैं। गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 5 से 15 मार्च 2026 तक बेंगलुरु में सीनियर महिला इंटर-जोनल वनडे ट्रॉफी का आयोजन कर रहा है। इसी कड़ी में सीनियर महिला उत्तरी क्षेत्र चयन समिति की बीते दिन जम्मू में हुई बैठक में खिलाड़ियों का चयन किया गया। वहीं अगर प्रतियोगिता के मुकाबलों की बात करें पहला मैच उत्तर क्षेत्र बनाम दक्षिण क्षेत्र 5 मार्च को, उत्तर क्षेत्र बनाम पश्चिम क्षेत्र 7 मार्च, पूर्वी क्षेत्र बनाम उत्तर क्षेत्र 9 मार्च, मध्य क्षेत्र बनाम उत्तर क्षेत्र 11 मार्च, पूर्वोत्तर क्षेत्र बनाम उत्तरी क्षेत्र 13 मार्च को जबकि फाइनल 15 मार्च को बेंगलुरु में ही खेला जाएगा। एचपीसीए के सचिव मनुज शर्मा ने बताया कि उत्तरी क्षेत्र की टीम में वरिष्ठ खिलाड़ी सुषमा वर्मा का चयन हुआ है जबकि शिवानी सिंह और ज्योति ठाकुर को स्टैंडबाय रखा गया है। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को एचपीसीए की ओर से शुभकामनाएं दी हैं।

एफआईएच प्रो लीग विवाद : पाकिस्तान ने हॉकी टीम के कप्तान अम्माद बट पर लगा दो साल का प्रतिबंध रद्द किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट पर लगाया गया दो साल का प्रतिबंध रद्द कर दिया। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) द्वारा लगाया गया यह प्रतिबंध सरकार ने 'गैरकानूनी और असंवैधानिक' करार दिया है। पीएचएफ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से ठीक पहले तारिक बुगती ने अम्माद शकील बट को फेडरेशन की आलोचना करने के आरोप में दो साल के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हॉकी से प्रतिबंधित कर दिया था। बट ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान हुई अव्यवस्थाओं को लेकर फेडरेशन पर गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा संरक्षक-इन-चीफ नियुक्त किए गए पीएचएफ के अंतरिम अध्यक्ष मुहयुद्दीन अहमद वानी ने बुगती के इस फैसले को पलटते हुए इसे 'गैरकानूनी और असंवैधानिक कदम' बताया।

टी20 वर्ल्ड कप: संजू सैमसन को नेट्स में अभिषेक शर्मा ने कराई गेंदबाजी, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिल सकता है मौका

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को सुपर-8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में उतरेगी। ग्रुप स्टेज में शीर्ष पर रहते हुए सुपर-8 के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाजी चिंता का विषय रही है। भारतीय टीम इस समस्या के समाधान के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक बार फिर संजू सैमसन को मौका दे सकती है। विश्व कप से पहले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा प्रचंड फॉर्म में चल रहे थे। वह टी20 की रैंकिंग में अभी भी नंबर वन बल्लेबाज हैं। विश्व कप में अभिषेक की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। वह अब तक तीन मैच खेले हैं और तीनों ही मैचों में बिना खाता खोले आउट हुए हैं। उनकी असफलता ने टीम इंडिया की परेशानी बढ़ा दी है। लगातार असफलता के शिकार अभिषेक शर्मा का आत्मविश्वास डगमगाया है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारतीय टीम एक बार फिर से अभिषेक की जगह विकेटकीपर संजू सैमसन को ईशान किशन के साथ ओपनिंग जोड़ीदार बना सकती है। शाम को कृत्रिम रोशनी में आयोजित अभ्यास सत्र में संजू सैमसन को लंबे समय तक बल्लेबाजी का अभ्यास करते हुए देखा गया। सैमसन ने तेज गेंदबाजी और स्पिनर दोनों के खिलाफ लंबे समय तक बल्लेबाजी की और इस दौरान अच्छे टच में दिखे।

'इंडियन वेल्स टूर्नामेंट': 45 साल की वीनस विलियम्स को मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

नई दिल्ली । दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी और 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को इस साल के इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री दिए जाने की पुष्टि की है। 1-15 मार्च तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले इस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स एकल और डबल्स दोनों श्रेणियों में हिस्सा लेंगी। वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने से उत्साहित वीनस विलियम्स ने कहा, 'इंडियन वेल्स वापस जाना और कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा है। जबरदस्त फैंस के सामने खेलने जैसा कुछ नहीं है। मैंने इतने सालों में यहां बहुत सारी यादें बनाई हैं। मैं आयोजकों की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे वापस बुलाया। ' पूर्व वर्ल्ड नंबर वन और चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विलियम्स ने पहले भी इंडियन वेल्स में काफी सफलता हासिल की है। वह तीन बार सेमीफाइनल तक पहुंची हैं। आखिरी बार 2024 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से ही उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

चैम्पियनशिप 2026: एलिना स्वितोलिना ने कोको गॉफ को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

दुबई। दुबई में खेले जा रहे दुबई चैम्पियनशिप 2026 के महिला एकल सेमीफाइनल में यूक्रेन की स्टार खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने अमेरिका की कोको गॉफ को 6-4, 6-7(13), 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना जेसिका पेगुला से होगा। एलिना स्वितोलिना ने विश्व नंबर चार कोको गॉफ के खिलाफ हालिया जीत की लय को बरकरार रखा। पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में सीधे सेटों में जीत दर्ज करने के बाद यह उनकी गॉफ पर लगातार दूसरी जीत है। लगभग तीन घंटे तक चले इस रोमांचक मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले सेट में दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन कोको गॉफ डबल फॉल्ट से जूझती नजर आई,

जिसका फायदा उठाते हुए स्वितोलिना ने 6-4 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में गॉफ ने जोरदार वापसी की और अपने जुझारू खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। 15-13 के रोमांचक टाईब्रेक में गॉफ ने चार मैच प्वाइंट बचाकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया, जिससे दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। निर्णायक तीसरे सेट में मुकाबला बेहद करीबी रहा। नौवां गेम अहम साबित हुआ, जो कई बार ड्यूस तक पहुंचा। आखिरकार स्वितोलिना ने संयम बनाए रखते हुए 5-4 की बढ़त बनाई और फिर सर्विस होल्ड करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। मैच के बाद स्वितोलिना ने कहा, 'इतनी कड़ी टक्कर के बाद मैं शब्दों में अपनी भावना व्यक्त नहीं कर सकती। मैंने हर पॉइंट ऐसे खेला जैसे कोई कल नहीं है। फाइनल में दोबारा पहुंचना मेरे लिए बेहद खास है। कोको एक बड़ी फाइटर हैं और मुझे उनकी वापसी की उम्मीद थी। ' दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला ने अपनी हमवतन अमांडा अनिसिमोवा को 1-6, 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब खिताबी मुकाबले में स्वितोलिना और पेगुला के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिलेगी।

टीम की जीत ही मेरी असली पहचान : अंगकृष रघुवंशी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के उभरते प्रतिभाशाली बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने कम उम्र में ही बड़े मंच पर अपनी मजबूत पहचान बना ली है। आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2022 में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने के बाद उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से प्रभावशाली प्रदर्शन किया। हाल के घरेलू सत्र में विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी उनका बल्ला लगातार चला है।अंगकृष का मानना है कि पिछले दो वर्षों में उनकी मानसिकता में बड़ा बदलाव आया है। वर्ष 2024 में निर्भीक युवा बल्लेबाज के रूप में पहचान बनाने के बाद अब वे टीम के भरोसेमंद खिलाड़ी की भूमिका निभा रहे हैं। उनका कहना है कि अलग-अलग परिस्थितियों में बल्लेबाज़ी करना उन्होंने वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलकर सीखा है। अब उनका ध्यान व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय टीम की जीत पर अधिक केंद्रित रहता है।

अपने खेल में निखार का श्रेय वे अपने मार्गदर्शक अभिषेक नायर को देते हैं। अंगकृष के अनुसार कठिन प्रशिक्षण सत्रों ने उन्हें उनके सहज दायरे से बाहर निकाला, जिसने उनके खेल और सोच दोनों को नई दिशा दी। उन्होंने स्वीकार किया कि क्रिकेट के प्रति समर्पण और प्रेम की भावना इसी मार्गदर्शन से मजबूत हुई। कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी बड़ी टीम का विश्वास उनके आत्मविश्वास को लगातार बढ़ा रहा है। उनका मानना है कि जब टीम आप पर भरोसा करती है तो जिम्मेदारी भी उतनी ही बढ़ जाती है और खिलाड़ी का प्रयास रहता है।

कतर ओपन: वर्ल्ड नंबर 1 कार्लोस अल्कराज़ ने डिफेंडिंग चैंपियन आंद्रेई रुबलेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

दोहा,। कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वर्ल्ड नंबर 1 स्पेन के कार्लोस अल्कराज़ ने शुक्रवार रात डिफेंडिंग चैंपियन आंद्रेई रुबलेव को 7-6(3), 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वर्ष 2026 में अल्कराज़ की यह लगातार 11वीं जीत है। पिछले 13 टूर्नामेंट में यह उनका 12वां फाइनल है, जो उनकी निरंतरता और शानदार फॉर्म को दर्शाता है। पहले सेट में रुबलेव ने कड़ी टक्कर दी।

0-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन बैकहैंड पर की गई 14 अनफोर्स्ड गलतियां उनके लिए नुकसानदायक साबित हुईं। टाईब्रेक में अल्कराज़ ने संयम बनाए रखा और 6-3 की बढ़त हासिल की। इसी दौरान निराश रुबलेव ने गुस्से में अपना रैकेट घुटने पर मार दिया, जिससे उसकी स्ट्रिंग भी टूट गई। अंततः अल्कराज़ ने शानदार फोरहैंड के साथ पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में अल्कराज़ ने दो बार सर्विस ब्रेक कर 5-3 की बढ़त बनाई और मैच जीतने के लिए सर्व कर रहे थे। हालांकि रुबलेव ने तीन

मैच प्वाइंट बचाते हुए वापसी की कोशिश की, लेकिन अल्कराज़ ने अगली ही गेम में फिर ब्रेक हासिल कर लिया। छठे मैच प्वाइंट पर रुबलेव का बैकहैंड बाहर चला गया और अल्कराज़ ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। 22 वर्षीय अल्कराज़ ने मैच के बाद कहा कि उन्हें अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है और हर मुकाबले में बेहतर बनने की कोशिश ही उनकी सफलता का आधार है। हाल के चार ग्रैंड स्लैम में वे फाइनल तक पहुंचे हैं और उनमें से तीन खिताब जीत चुके हैं। दूसरे सेमीफाइनल में याकुब मेन्सिक का सामना आर्थर फिल्स से होगा। अब सभी की निगाहें फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां अल्कराज़ खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे।

मुरादाबाद के काजी अयान अली ने नेपाल में जीता स्वर्ण पदक, रचा इतिहास

एजेंसी

मुरादाबाद। पीतलनगरी मुरादाबाद के होनहार ताइक्वांडो खिलाड़ी काजी अयान अली ने 15 से 20 फरवरी तक काठमांडू, नेपाल में आयोजित 4जी माउंट एवरेस्ट इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में कैडेट अंडर-41 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है।

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता वर्ल्ड ताइक्वांडो द्वारा जी-1 स्तर पर आयोजित की गई थी, जिसमें 23 से अधिक देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। हेड कोच तकी इमाम ने बताया कि काजी अयान अली ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए यह उपलब्धि हासिल की और मुरादाबाद का नाम रोशन किया। वह मुरादाबाद के इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने कैडेट अंडर-41

किलोग्राम वर्ग में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीता है।इस शानदार उपलब्धि पर खिलाड़ी और उनके कोच वासित को हार्दिक बधाई दी जा रही है। स्वर्ण पदक मिलने पर हेड कोच तकी इमाम ने भी खिलाड़ी और कोच को बधाई दी। टीम अब 22 फरवरी को भारत लौटेगी। काजी अयान अली की इस उपलब्धि से उनके परिवार, मित्र, कोच और शुभचिंतक बेहद खुश हैं और पूरे शहर में उत्साह का माहौल है। यह उपलब्धि न केवल मुरादाबाद बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है।

माइक टायसन के खिलाफ एग्ज़िबिशन मुकाबले के बाद संन्यास तोड़ेंगे फ्लॉयड मेवेदर

एजेंसी

लॉस एंजेलिस।पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने घोषणा की है कि वह माइक टायसन के खिलाफ एग्ज़िबिशन मुकाबले के बाद पेशेवर बॉक्सिंग में वापसी करेंगे। 48 वर्षीय मेवेदर ने 2017 में 50 मुकाबलों में अपराजित रहते हुए संन्यास लिया था, हालांकि इसके बाद उन्होंने कई प्रदर्शनी मुकाबलों में हिस्सा लिया।

मेवेदर ने एक बयान में कहा कि उनके पास अभी भी बॉक्सिंग में नए रिकॉर्ड बनाने की क्षमता है। उन्होंने दावा किया कि माइक टायसन के साथ होने वाले मुकाबले से लेकर अपने अगले पेशेवर फाइट तक, उनके इवेंट्स सबसे ज्यादा दर्शक, वैश्विक प्रसारण और कमाई दर्ज करेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका पहला पेशेवर मुकाबला इस गर्मी में प्रस्तावित है, हालांकि प्रतिद्वंद्वी के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। विस्तृत जानकारी आने वाले हफ्तों में साझा की जाएगी। 'मनी' के नाम से मशहूर मेवेदर कभी

दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। वर्ष 2015 में उनकी कमाई 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर बताई गई थी। अपने करियर के चरम पर उन्हें पाउंड-फॉर-पाउंड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था और उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक वेल्टरवेट डिवीजन में दबदबा बनाए रखा। संभागायुक्त ने अभियान समीक्षा में दिखाई सख्ती, समयबद्ध निराकरण पर दिया जोर

हालांकि, मेवेदर का करियर विवादों से भी जुड़ा रहा। उनकी रक्षात्मक शैली को लेकर आलोचना हुई और कुछ लोगों ने उन पर कठिन प्रतिद्वंद्वियों से बचने के आरोप लगाए। घरेलू हिंसा के मामलों में उन्हें जेल की सजा भी काटनी पड़ी। इसके बावजूद उनकी फिटनेस, अनुशासन और खेल समझ ने उन्हें रिंग में सम्मान दिलाया। मेवेदर का आखिरी पेशेवर मुकाबला 2017 में यूएफसी स्टार कॉनर मैकग्रेगर के खिलाफ था। इसके बाद उन्होंने कई एग्ज़िबिशन फाइट लड़ीं, जिनमें अगस्त 2024 में मेक्सिको में जॉन गोटी तृतीय पर जीत भी शामिल है। रिपोर्ट्स के अनुसार, माइक टायसन के साथ उनका एग्ज़िबिशन मुकाबला 25 अप्रैल को कांगो में हो सकता है, हालांकि तारीख और स्थान की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। 59 वर्षीय 'आयरन माइक' टायसन ने नवंबर 2024 में टेक्सास में यूट्यूबर से पेशेवर मुक्केबाज बने जेक पॉल के खिलाफ मुकाबला लड़ा था, जिसमें उन्हें एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। उस मुकाबले को करीब 70 हजार दर्शकों ने स्टेडियम में देखा, जबकि दुनिया भर में लाखों लोगों ने प्रसारण के जरिए मुकाबला देखा।

भारत के शीर्ष 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज़ नवी मुंबई पहुंचे, 16वां आरआर लक्ष्य कप शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। आरआर ग्लोबल द्वारा संचालित 16वें आरआर लक्ष्य कप 2025 के लिए मंच पूरी तरह तैयार है। भारत के शीर्ष 20 रैंकिंग वाले 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज़ आज नवी मुंबई के पनवेल स्थित कर्नाला स्पोर्ट्स अकादमी के लक्ष्य शूटिंग क्लब पहुंचे। यह आमंत्रण-आधारित टूर्नामेंट 21 और 22 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। 21 फरवरी को क्वालिफिकेशन राउंड में चार रिले होंगे, जिनकी शुरुआत सुबह 09:30 बजे से होगी। इसके बाद 11:30, 01:30 और 03:30 बजे रिले आयोजित किए जाएंगे। शाम 05:00 से 19:00 बजे तक फ्री ट्रेनिंग सत्र होगा। 22 फरवरी को शेष दो क्वालिफिकेशन रिले सुबह 09:30 और 11:30 बजे होंगे। इसके बाद दोपहर 2:00 बजे जूनियर 10 मीटर एयर राइफल फाइनल और 3:30 बजे सीनियर 10 मीटर एयर राइफल फाइनल आयोजित होगा। पुरस्कार वितरण समारोह 17:30 बजे से शुरू होगा, जिसके बाद 20:00 बजे समापन भोज (क्लोज़िंग बैंक्वेट) आयोजित किया जाएगा। यह प्रतियोगिता भारत के सर्वश्रेष्ठ जूनियर और सीनियर राइफल निशानेबाज़ों को एक मंच पर ला रही है, जिनमें किरण जाधव (मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन, विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता और लक्ष्य कप की वर्तमान सीनियर चैंपियन), सोनम मस्कर (आईएसएसएफ विश्व कप पदक विजेता), पार्थ माने (मौजूदा राष्ट्रीय खेल चैंपियन और जूनियर विश्व चैंपियन), राजश्री सांचेती (अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज़ और पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन), ओजस्वी ठाकुर (एशियाई युवा चैंपियनशिप स्वर्ण पदक विजेता) शामिल हैं।

फीफा विश्व कप 2026 के बाद फ्रांस टीम के कोच बन सकते हैं जिनेदिन जिदान

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर जिनेदिन जिदान फीफा विश्व कप 2026 के बाद फ्रांस पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने फ्रेंच फुटबॉल महासंघ के साथ मौखिक सहमति बना ली है और वे मौजूदा कोच दिदिएर देशां की जगह लेंगे।दिदिएर देशां के नेतृत्व में फ्रांस ने लगातार दो विश्व कप फाइनल खेले, जिसमें 2018 का खिताब जीता था। जिनेदिन जिदान 1998 में फ्रांस को विश्व कप जिताने वाली टीम के नायक रहे थे, जबकि 2006 में टीम उपविजेता रही। हालांकि 2006 के फाइनल में उन्हें लाल कार्ड मिला था, जो फुटबॉल इतिहास की चर्चित घटनाओं में शामिल है। कोच के रूप में जिदान का रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने कुल 320 मुकाबलों में

से 200 में जीत दर्ज की, 70 मैच ड्रॉ रहे और 50 में हार का सामना किया। उनकी जीत प्रतिशत 62.5 रही है।

क्लब स्तर पर जिदान ने स्पेन के प्रसिद्ध क्लब रियल मैड्रिड के साथ ऐतिहासिक सफलता हासिल की। उनके नेतृत्व में टीम ने ला लीगा (2016-17, 2019-20), सुपरकोपा दे एस्पाना (2017, 2020), यूईएफए चैंपियंस लीग (2015-16, 2016-17, 2017-18), यूईएफए सुपर कप (2016, 2017) और फीफा क्लब विश्व कप (2016, 2017) जैसे कई बड़े खिताब जीते। अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने लगातार तीन बार चैंपियंस लीग जीतकर इतिहास रच दिया।2006 में फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद जिदान ने 2010 में कोचिंग करियर की शुरुआत की। वे पहले रियल मैड्रिड में सलाहकार की भूमिका में जुड़े और बाद में मुख्य कोच बने। 2016 से 2018 और फिर 2019 से 2021 तक दो कार्यकाल में उन्होंने क्लब को 11 बड़े खिताब दिलाए।

रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें अमेरिका की राष्ट्रीय टीम का कोच बनने का प्रस्ताव भी मिला था, लेकिन उन्होंने उसे ठुकरा दिया। अब फीफा विश्व कप 2026 के बाद फ्रांस टीम में नए युग की शुरुआत को लेकर उत्साह बढ़ गया है।

डॉ. मनसुख मंडाविया 62वें 'फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल' का करेंगे नेतृत्व, ईएसआईसी के साथ देशभर में आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत को 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने के उपलक्ष्य में 22 फरवरी 2026 को देशभर में 62वें 'फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल' का आयोजन किया जाएगा। इस बार यह पहल कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के सहयोग से आयोजित हो रही है, जो अपने 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी मना रहा है। यह आयोजन फिट और सक्रिय भारत के संकल्प को और मजबूत करेगा। साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न के तहत शुरू हुआ 'फिट इंडिया आंदोलन' स्वस्थ और सक्रिय राष्ट्र निर्माण की दिशा में केंद्र सरकार की प्रमुख पहल है। वर्ष 2047 तक भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने के लक्ष्य के अनुरूप अहमदाबाद (गुजरात) को 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी का अधिकार मिला है, जबकि भारत ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी अपनी दावेदारी पेश की है। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि 20 वर्ष बाद भारत बहु-खेल स्पर्धा कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा, जो प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि सरकार नीति सुधार, खेल अवसंरचना विकास, प्रतिभा पहचान और खिलाड़ियों के समुचित प्रशिक्षण के माध्यम से भारत को खेल महाशक्ति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के प्रधानमंत्री के विज़न को साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि 'फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल' जैसे जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम स्वस्थ भारत की मजबूत नींव तैयार करते हैं। ईएसआईसी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित यह संस्करण फिटनेस को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल दिसंबर 2024 में डॉ. मंडाविया द्वारा शुरू की गई थी। अब तक देशभर के दो लाख से अधिक स्थानों पर 25 लाख से ज्यादा नागरिक इसमें भाग ले चुके हैं, जिससे यह एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। इस डॉ. मंडाविया नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से साइकिल रैली का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ ओलंपिक कांस्य पदक विजेता रुपिंदर पाल सिंह और कॉमनवेल्थ गेम्स कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज रोहित तोकस भी शामिल होंगे। सभी आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए योग, रस्सी कूद और जुम्बा के विशेष ज़ोन भी बनाए जाएंगे।

डेविल ड्रैगंस ने स्टॉर्म मास्टर्स को 69 रन से हराया

एजेंसी

मुरादाबाद। भारत विकास परिषद की शिवाजी शाखा और मुरादाबाद डेंटल एसोसिएशन की ओर से लीजेंड्स रीयूनियन कप 2026 के सीजन-1 के राउंड-2 में डेविल ड्रैगंस ने बाजी मारी। सिविल लाइन स्थित रेलवे स्टेडियम में खेले

गए मुकाबले में टीम ने स्टॉर्म मास्टर्स को 69 रन से हराया। डेविल ड्रैगंस के कप्तान अनुष बंसल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 196 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। निशांत ने नाबाद 79 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि युगांत चौधरी ने 66 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। स्टॉर्म मास्टर्स की ओर से धीरज ने दो विकेट और प्रखर ने एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्टॉर्म मास्टर्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 127 रन ही बना सकी। अक्षज ने 36 रन बनाए, जबकि सौरभ मिश्रा और सुमित ने 20-20 रन का योगदान दिया। डेविल ड्रैगंस की ओर से रोमिल और दीपांशु ने दो-दो विकेट लिए। शानदार बल्लेबाजी के लिए निशांत को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ कबड्डी एसोसिएशनों की संयुक्त पहल, जेबीसी कबड्डी लीग को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। झारखंड कबड्डी एसोसिएशन (जेकेए), बिहार राज्य कबड्डी एसोसिएशन (बीएसकेए) और छत्तीसगढ़ कबड्डी एसोसिएशन (सीकेए) ने झारखंड बिहार छत्तीसगढ़ (जेबीसी) कबड्डी लीग नामक राज्य-स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट को मंजूरी दी है। यह लीग इस वर्ष की पहली छमाही में आयोजित की जाएगी। इसके उद्घाटन सत्र में तीनों राज्यों का प्रतिनिधित्व करती हुई कुल पांच टीमें भाग लेंगी। जेबीसी कबड्डी लीग उभरती प्रतिभाओं को संगठित लीग प्रारूप, व्यवस्थित स्काउटिंग, खिलाड़ी नीलामी और पेशेवर अवसरों के माध्यम से व्यापक पहचान प्रदान करेगी। यह लीग दर्शकों की सहभागिता बढ़ाएगी, सामुदायिक गौरव को प्रोत्साहित करेगी और भारत में कबड्डी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक स्थानीय बुनियादी ढाँचे के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी।

जेबीसी कबड्डी लीग का संयुक्त रूप से प्रमोशन भारतीय खेल उद्यमी रणविजय सिंह द्वारा किया जा रहा है। वे भोजपुरी इंडस्ट्री प्रीमियर लीग के

निदेशक भी हैं और उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग (यूपीकेएल) की टीम 'अवध रामदूत्स' के फ्रेंचाइजी मालिक हैं। जेबीसी कबड्डी लीग के शुभारंभ पर प्रमोटर रणविजय सिंह ने कहा, 'राज्य और स्थानीय लीग विकास के महत्वपूर्ण मार्ग हैं। झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ का कबड्डी से गहरा जुड़ाव है, जो विद्यालयों और सामुदायिक स्थानों पर व्यापक रूप से खेली जाती है। जेबीसी कबड्डी लीग इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए एक संगठित मंच तैयार करती है, जो जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को पेशेवर पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ता है। राज्य कबड्डी एसोसिएशनों के मजबूत सहयोग के साथ हमें विश्वास है कि हम कबड्डी को मुख्यधारा में लाने और इसे एक व्यवहार्य करियर विकल्प बनाने के अपने उद्देश्य में सफल होंगे। ' जमीनी स्तर पर भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए जेबीसी कबड्डी लीग ने रणधीर सिंह सेहरावत को ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी जोड़ा है। 'कोच साब' के नाम से प्रसिद्ध रणधीर सेहरावत ने भारतीय कबड्डी को खिलाड़ी और राष्ट्रीय स्तर के कोच के रूप में चार दशकों से अधिक समय समर्पित किया है। वे अर्जुन पुरस्कार (1997) और राष्ट्रीय नागरिक पुरस्कार (1991) से सम्मानित हैं और राष्ट्रीय नागरिक पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले कबड्डी खिलाड़ी हैं। उन्होंने सीनियर नेशनल, फेडरेशन कप और ऑल इंडिया रेलवे चैंपियनशिप सहित प्रमुख टूर्नामेंटों में कुल 93 पदक जीते हैं। जेबीसी कबड्डी लीग एक फ्रेंचाइजी-आधारित पेशेवर कबड्डी लीग है, जिसकी स्थापना झारखंड कबड्डी एसोसिएशन, बिहार राज्य कबड्डी एसोसिएशन और छत्तीसगढ़ कबड्डी एसोसिएशन के संयुक्त प्रयास से की गई है। ये तीनों एसोसिएशन एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया से संबद्ध हैं।

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन जनवरी में चार फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों के उद्योगों की उत्पादन वृद्धि दर जनवरी में घटकर चार फीसदी पर आ गई है। हालांकि, यह वृद्धि दिसंबर, 2025 के 4.7 फीसदी के मुकाबले धीमी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने आंकड़ों में बताया कि इन प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर एक साल पहले जनवरी, 2025 में 5.1 फीसदी थी, जबकि दिसंबर, 2025 में यह 4.7 फीसदी रही थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जनवरी अवधि के दौरान इन आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 2.8 फीसदी बढ़ा है, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में वृद्धि दर 4.5 फीसदी रही थी। आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्र के उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल हैं। ये देश के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक उत्पादन में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में लगभग 40.27 फीसदी का योगदान देते हैं।

केंद्र सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किया सात उपायों का ऐलान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सात उपायों की घोषणा की है। इनमें ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए ऋण सहायता एवं वैकल्पिक व्यापार साधनों का समर्थन शामिल है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यात प्रोत्साहन मिशन (ईपीएम) के तहत सात अतिरिक्त उपायों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पीयूष गोयल ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए समाज के सबसे निचले तबके तक पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि समावेशी विकास, वंचित लोगों का सशक्तिकरण और भारत के त्वरित गति से हुए रूपांतरण में पीछे छूट गए लोगों को अवसर प्रदान करना सच्चे सामाजिक न्याय के लिए प्राप्ति के लिए अनिवार्य है। आरबीआई/आईएफएससीए से मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से किए गए पात्र लेनदेन पर फैक्टरिंग लागत पर 2.75 फीसदी की ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाएगी। सहायता की अधिकतम सीमा प्रति एमएसएमई 50 लाख रुपये सालाना है और पारदर्शिता और समय पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए इसे डिजिटल दावा तंत्र के माध्यम से संसाधित किया जाएगा।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 311 अंक उछला, निफ्टी 25,550 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। 'पैक्स सिलिका' में भारत की भागीदारी की खबरों से शेयर बाजार में तेजी लौटी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 316.57 अंक यानी 0.38 फीसदी उछलकर 82,814.71 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 633.94 अंक बढ़कर 83,132.08 अंक तक पहुंच गया था। सेंसेक्स 317 अंक की बढ़त के साथ, जबकि निफ्टी 25,550 के पार बंद हुआ।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 116.90 अंक यानी 0.46 फीसदी बढ़कर 25,571.25 पर बंद हुआ। इसके 36 शेयर बढ़त और 14 शेयर लाल निशान में रहे। कारोबार के दौरान यह 209.2 अंक यानी 0.82 फीसदी बढ़कर 25,663.55 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावरग्रिड, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बजाज फाइनेंस, टाइटन, मारुति सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक और इंडिगो प्रमुख लाभ कमाने वाले शेयर रहे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, इटरनल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अडानी पोर्ट्स को नुकसान हुआ।

केंद्र ने दिसंबर, 2025 तक 14 पीएलआई योजनाओं के तहत 28,748 करोड़ रुपये बांटे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दवा समेत 14 क्षेत्रों को अब तक 28,748 करोड़ रुपये जारी किए हैं। 1.91 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय वाली इस योजना ने 14 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मजबूत उद्योग भागीदारी को बढ़ावा दिया है। पीएलआई योजना का उद्देश्य भारत के विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और स्थानीयकरण को बढ़ावा देना है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत 1.91 लाख करोड़ रुपये का प्रोत्साहन बजट रखा गया है, जो भारत के विनिर्माण आधार को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक पहल है। 14 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 836 आवेदनों की स्वीकृति के साथ यह योजना उद्योग जगत के मजबूत विश्वास और इसके व्यापक उपयोग को दर्शाती है। पीएलआई योजना को उद्योग जगत शुरुआत से ही लगातार अपना रहा है और विनिर्माण क्षमता में निरंतर विस्तार हो रहा है। इस योजना के तहत पिछले साल 31 दिसंबर तक 14 क्षेत्रों में 836 आवेदन स्वीकृत हुए, 2.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल निवेश हुआ।

वर्तमान मनरेगा के किसी भी घटक में बजट की कोई कमी न हो : शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश दिए कि वर्तमान में चल रही मनरेगा योजना के किसी भी पात्र श्रमिक को काम मिलने में कोई परेशानी न हो तथा मनरेगा के किसी भी घटक में बजट की कोई कमी न हो। मंत्रालय में इस संबंध में आयोजित बैठक में मनरेगा और वीबी-जी राम जी एक्ट के बारे में चर्चा की गई। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि राज्यों को इस वर्ष 244 करोड़ सहमत मानव दिवस का बजट दिया गया था जिसमें से 204 करोड़ मानव दिवस का सृजन हो चुका है। अभी तक मनरेगा योजना के तहत वर्ष 2025-26 के दौरान 64.70 लाख कार्य पूरे किए जा चुके है तथा जनवरी 2025 तक 198 करोड़ मानव दिवस सृजित किए जा चुके है। योजना के अंतर्गत वर्तमान वित्त वर्ष में मजदूरी मद में 65,506 करोड़ जारी किए जा चुके है। इस दौरान बंगाल के लंबित

श्रम बजट पर भी चर्चा हुई।बैठक में श्रमिकों के ईकेवाईसी पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान बताया गया कि मनरेगा के तहत हर राज्य के एक जिले में फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का सफलतापूर्वक प्रयोग किया जा रहा है। यह भी बताया गया कि फेस ऑथेंटिकेशन प्रणाली का बिना इंटरनेट के भी प्रयोग किया जा सकेगा। फिलहाल 80 प्रतिशत श्रमिकों का ईकेवाईसी पूरा हो चुका है और जल्द ही इस योजना को पूरे देश में लागू किया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री ने इस तकनीक के प्रयोग की सराहना की तथा निर्देश दिए की वर्तमान में चल रही मनरेगा योजना के किसी भी पात्र श्रमिक को काम मिलने में कोई परेशानी न हो तथा मनरेगा के किसी भी घटक में बजट की कोई कमी न हो। बैठक में आगे दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) योजना पर विस्तृत समीक्षा की गई। चर्चा में बताया गया कि दोनो योजनाओं के लिए 'कौशल पंजी एप' के तहत महिलाओं एवं युवाओं का ईकेवाईसी पूरा किया जा चुका है। जिससे डुप्लीकेशन की कोई संभावना नहीं रहेगी। समीक्षा बैठक में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के निर्धारित मानकों के तहत चल रही योजना की जानकारी दी गई। चर्चा में बताया गया कि जनवरी 2026 तक 18.29 लाख अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा 11.78 लाख अभ्यर्थियों को नियोजित किया जा चुका है। इस दौरान आरएसईटीआई कार्यक्रमों में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि पूर्व में संचालन एक निजी एजेंसी के माध्यम से किया जा रहा था, जिसे अब सुव्यवस्थित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के 619 जिलों में स्थापना की प्रक्रिया प्रगति पर है। इनमें से 407 भवनों का निर्माण स्वीकृत किया जा चुका है। शिवराज सिंह चौहान ने इनकी राज्य स्तर पर भी नियमित समीक्षा करने की बात कही, ताकि लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण हों और लक्ष्य समय पर प्राप्त किया जा सके।

बरपेटा रोड में दिनदहाड़े भीषण डकैती, 12 करोड़ के आभूषण व नकदी लूटे

एजेंसी

बरपेटा रोड (असम)। राज्य के बरपेटा रोड में आज दिनदहाड़े एक सनसनीखेज डकैती की घटना सामने आई है। बदमाशों ने सेनको गोल्ड के शोरूम को निशाना बनाते हुए करीब 12 करोड़ के आभूषण तथा नकदी लूट लिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर के बीचों-बीच मौजूद सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स शोरूम में पांच लोगों का एक गैंग ग्राहक बनकर घुसा।

मास्क पहने और हिंदी में बातचीत करने वाले कुछ युवकों ने पहले शोरूम के सीसीटीवी कैमरों का कनेक्शन काट दिया और फिर वारदात को अंजाम दिया।

बताया जा रहा है कि आरोपितों के पास पिस्टल थीं और उन्होंने कर्मचारियों को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया। लुटेरों ने कर्मचारियों को धमकी दी और हाथ-पैर बांधकर पिस्तौल दिखाते हुए करीब आधे घंटे तक

सोने-चांदी के आभूषण और नकदी लूट लिए। कहा जा रहा है कि उन्होंने कुछ कर्मचारियों पर हमला भी किया और सीसीटीवी खराब कर दिए, फिर सोने और हीरे के गहने लेकर मौके से भाग गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पूरे इलाके में नाकेबंदी कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

केंद्र ने व्यापार सूचकांक के आधार वर्ष को वित्त वर्ष 2022-23 में अपडेट किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत के व्यापार सूचकांकों के आधार वर्ष में बदलाव कर इसे वित्त वर्ष 2012-13 से बदल कर वित्त वर्ष 2022-23 कर दिया है। यह कदम देश की बदलती व्यापार संरचना और वैश्विक रुझानों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय ने भारत के व्यापार सूचकांकों के आधार वर्ष में बदलाव की घोषणा कर इसे 2012-13 से बदल कर 2022-23 कर दिया।

मंत्रालय ने कहा कि अर्थव्यवस्था में आए ढांचागत बदलावों, व्यापार के बदलते तौर-तरीकों और मौजूदा आर्थिक संकेतकों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए यह कदम उठाया गया है। मंत्रालय ने बताया कि इस बदलाव से व्यापारिक आंकड़ों की प्रासंगिकता और विश्वसनीयता बढ़ेगी, जो नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं के लिए अब अधिक उपयोगी साबित होंगे। ये सूचकांक मंत्रालय के अधीन आने वाले वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई-एंड-एस) द्वारा तैयार एवं प्रकाशित किए

जाते हैं। ये सूचकांक देश के बाहरी व्यापार क्षेत्र में कीमतों के उतार-चढ़ाव को समझने, राष्ट्रीय खातों के संकलन और व्यापार की शर्तों के आकलन के लिए महत्वपूर्ण संकेतक माने जाते हैं। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सूचकांकों का संकलन और प्रकाशन करने वाले डीजीसीआई-एंड-एस ने कहा कि व्यापार सूचकांकों का आधार वर्ष में यह संशोधन अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलावों, वस्तुओं की बदलती संरचना और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में परिवर्तनों के अनुरूप आंकड़ों को समायोजित करता है। अद्यतन श्रृंखला में 2022-23 को नया आधार वर्ष माना गया है, जो (2022-23 = 100)। ये कदम व्यापार के बदलते तौर-तरीकों और मौजूदा आर्थिक संकेतकों के साथ और बेहतर तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया है।

बिटकॉइन घोटाला मामले में राज कुंद्रा को मिली जमानत

एजेंसी

मुंबई। बिटकॉइन घोटाले से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए मुंबई की विशेष पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) अदालत ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और मशहूर बिजनेसमैन राज कुंद्रा जमानत दे दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से इस मामले में दाखिल की गई चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने यह फैसला सुनाया है। अदालत सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिटकॉइन घोटाला मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले में ईडी ने दुबई के कारोबारी राजेश सतीजा और राज कुंद्रा के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। इसी आरोप पत्र को संज्ञान लेते हुए अदालत ने राज कुंद्रा और दुबई के कारोबारी राजेश सतीजा को समन जारी किया था और दोनों को 19 जनवरी को अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया था। लेकिन राज कुंद्रा तय समय पर पेश नहीं हो पाए थे। आज इस मामले की हो रही सुनवाई के दौरान राज कुंद्रा अपने वकील प्रशांत पाटिल के साथ अदालत में पेश हुए थे। इसके बाद राज कुंद्रा के वकील ने आज दोपहर 3 बजे राज कुंद्रा की तरफ से

जमानत याचिका दायर की गई थी। इसके बाद राज कुंद्रा के वकील और सरकारी वकील ने अदालत में अपना पक्ष रखा। अदालत ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद राज कुंद्रा को जमानत दे दी। उल्लेखनीय है कि बिटकॉइन घोटाला मामला 2018 में पुणे के निगडी और नांदेड़ पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। आरोप है कि 'वेरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड' और 'गैनबिटकॉइन' के प्रमोटर अमित भारद्वाज ने निवेशकों को बिटकॉइन माइनिंग के नाम पर भारी रिटर्न का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी की थी। इसी मामले में राज कुंद्रा पर भी बड़े पैमाने पर हेराफेरी के आरोप लगे थे। ईडी ने आरोप लगाया था कि राज कुंद्रा को मुख्य आरोपित अमित भारद्वाज से 285 बिटकॉइन मिले थे, जिनकी वर्तमान वैल्यू लगभग 150.47 करोड़ रुपये आंकी गई है। राज कुंद्रा पर ये आरोप भी लगा था कि उन्होंने इन बिटकॉइन के 'वॉलेट एड्रेस' की जानकारी देने से इनकार कर दिया था। जांच एजेंसी के अनुसार, कुंद्रा ने अपराध की कमाई को वैध दिखाने के लिए अपनी पत्नी के साथ बाजार दर से काफी कम कीमत पर संपत्तियों का लेनदेन किया था।

सूरत में साइबर रैकेट का पर्दाफाश, 800 करोड़ से अधिक का ट्रांजेक्शन, आठ गिरफ्तार

एजेंसी

सूरत/पाटण। सूरत के कतारगाम इलाके में साइबर क्राइम सेल ने बड़े ऑनलाइन बेटिंग रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस मामले में फरार आरोपित करण उर्फ द्वारकेश पीराभाई देसाई को पाटण जिले के वागडोद गांव से गिरफ्तार किया गया। आरोपित ने एमएससी आईटी की पढ़ाई कर रखी है।

800 करोड़ से अधिक का लेन-देन

जांच के दौरान पुलिस को लैपटॉप, मोबाइल फोन और कई बैंक चेकबुक बरामद हुए हैं। जांच में सामने आया कि 149 अलग-अलग बैंक खातों के जरिए ₹8,00,66,51,326 (करीब 800 करोड़ रुपये) का ट्रांजेक्शन किया गया। इन खातों के खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर देशभर से 402 शिकायतें दर्ज हैं।

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े तार: पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि यह पूरा रैकेट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

संचालित हो रहा था, जिसके तार बैंकॉक और वियतनाम तक जुड़े हैं। मुख्य सरगना जतीन उर्फ जॉन रेंप ठक्कर 2डी, बीआईजी आईडीइए, ओपीएस, डीएएफए और पारिमैच जैसी 50 से अधिक ऑनलाइन बेटिंग साइट्स संचालित करता था और अवैध फंड ट्रांसफर के लिए विशेष प्लेटफॉर्म तैयार किया गया था।

'लियोपेय 155' फ्रेंचाइजी से होता था फंड ट्रांसफर

सूरत डीसीपी साइबर क्राइम बिशाखा जैन के अनुसार, आरोपी करण देसाई ने 'लियोपेय 155' नाम की फ्रेंचाइजी हासिल की थी। इसके जरिए वह ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग से जुड़े पैसों को म्यूल बैंक खातों में ट्रांसफर करता था। बाद में उसने यह काम अपने सह-आरोपी मीत शाह को सौंप दिया, जो फंड ट्रांसफर की प्रक्रिया को अंजाम देता था।

अब तक आठ आरोपित गिरफ्तार

इस मामले में अब तक कुल 8 आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें मुख्य सरगना जतीन ठक्कर के अलावा मीत शाह, यश पीडे, ऋषिकेश सपकाळ, निलेश सोलंकी, परेश कुमार मोदी और दीपक कुमार ठक्कर शामिल हैं। ये सभी सूरत, अहमदाबाद, पाटण और महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी हैं और रैकेट में अलग-अलग भूमिकाएं निभा रहे थे।

कोर्ट से 5 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर

पाटण से पकड़े गए करण देसाई को सूरत लाकर अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे 5 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि 800 करोड़ रुपये की रकम कहां ट्रांसफर की गई और इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

भवस्त्र मंत्रालय की परामर्श बैठक में टीईएम और 'टेक्स इको' पहल पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्त्र मंत्रालय ने दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में केंद्रीय बजट 2026 की घोषणाओं के बाद पहली राष्ट्रीय उद्योग परामर्श बैठक का आयोजन किया जिससे कार्यान्वयन प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया जा सके। इस परामर्श बैठक का मुख्य उद्देश्य बजट में घोषित दो प्रमुख पहलों वस्त्र विस्तार और रोजगार (टीईएम) योजना और टेक्स इको पहल को क्रियान्वित करना रहा। इसका लक्ष्य वस्त्र और परिधान क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता आधुनिकीकरण स्थिरता और रोजगार सृजन को मजबूत करना है।

टेक्स इको पहल वस्त्र मूल्य श्रृंखला में स्थिरता संसाधन दक्षता और हरित विनिर्माण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने कहा कि भारतीय वस्त्र उद्योग का भविष्य उज्ज्वल है। नए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और वस्त्र-केंद्रित बजट के तालमेल से भारतीय निर्यातकों के लिए वैश्विक बाजारों के द्वार खुल गए हैं। मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रोहित कंसल ने कहा कि यह बजट रोजगार सृजन विनिर्माण क्षमता बढ़ाने और वस्त्र क्षेत्र को समावेशी विकास का इंजन बनाने के सरकार के इरादे को दर्शाता है। उन्होंने इसे एक 'एकीकृत कार्यक्रम' बताया जो निवेश और नीतिगत समर्थन को एक मंच पर लाता है।

इस सत्र में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इनमें समयबद्ध अनुमोदन एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशपोषण में सुधार कस्टम अवसंरचना लक्षित कौशल विकास डिजिटल निगरानी सहित राज्य नीतियों और निर्यात उपायों के साथ समन्वय करना शामिल है। इस मौके पर वरिष्ठ अधिकारी उद्योगपति और वस्त्र मूल्य श्रृंखला के प्रतिनिधि शामिल थे।

एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड और अंजलि लैबटेक को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। एपीपीएल कंटेनर्स और अंजलि लैबटेक को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से आखिरी मंजूरी मिल गई है। सेबी की ओर से जारी अपडेट के मुताबिक इन सभी कंपनियों ने सितंबर से अक्टूबर के बीच सेबी के समक्ष अपने ड्राफ्ट दस्तावेज दाखिल किए थे। भावनगर की एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 25 सितंबर, 2025 को सेबी के समक्ष अपने आईपीओ के कागजात फाइल किए थे। एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड के आईपीओ में

12,50,000 इक्विटी शेयर तक का फ्रेश इश्यू और प्रमोटर्स- हसमुखभाई मेघजीभाई विराडिया, वल्लभभाई मेघजीभाई विराडिया, मनीषाबेन विराडिया, वैभव वल्लभभाई विराडिया, सरिताबेन विराडिया, एकताबेन वैभवभाई विराडिया, तेजसभाई वल्लभभाई विराडिया और तीर्थराज हसमुखभाई विराडिया द्वारा 25,60,000 शेयर तक का ऑफर-फॉर-सेल शामिल है।ये एक मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है, जिसका मेन फोकस कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग पर है। एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड गुजरात के भावनगर में अपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी से काम करती है। अपने मेन मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन्स के अलावा, कंपनी ने हाल ही में फिस्कल 2026 में कंटेनर लीजिंग सर्विस शुरू की हैं, जो अपने क्लाइंट्स की अलग-अलग ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए फ्लेक्सिबल लीजिंग ऑप्शन देती है।

अंजलि लैबटेक आईपीओ

अंजलि लैबटेक लिमिटेड को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 6 अक्टूबर, 2025 को सेबी के समक्ष अपने आईपीओ के कागजात फाइल किए थे।

अंजलि लैबटेक लिमिटेड सस्टेनेबल डायमंड टेक्नोलॉजी में एक ग्लोबल पायनियर है, जो हाई-क्वालिटी लैब ग्रोन डायमंड, एक्सक्लूसिव लैब ग्रोन डायमंड ज्वेलरी, एडवांस्ड डायमंड सेमीकंडक्टर मटीरियल और माइक्रोवेव प्लाज़्मा सीवीडी सिस्टम बनाती है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 725.72 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 फरवरी को समाप्त हफ्ते में 8.66 अरब डॉलर बढ़कर रिकॉर्ड 725.72 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 13 फरवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार में 8.66 अरब डॉलर की जोरदार बढ़ोतरी से यह 725.72 अरब डॉलर के ऐतिहासिक शिखर पर पहुंच गया है। इससे पहले जनवरी में इसने 723.77 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ था।आंकड़ों के मुताबिक छह फरवरी को समाप्त हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.71 अरब डॉलर घटकर 717.06 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले का सर्वोच्च स्तर जनवरी माह में

723.774 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान मुद्रा भंडार का अहम घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 3.55 अरब डॉलर बढ़कर 573.60 अरब डॉलर हो गईं।रिजर्व बैंक के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.99 अरब डॉलर बढ़कर 128.46 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.92 अरब डॉलर हो गया। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 1.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.734 अरब डॉलर हो गया।

गेहूं, चीनी मजबूत; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव स्थिर रहे। गेहूं और चीनी की कीमतों में तेजी देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 3,860 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। गेहूं का भाव छह रुपये बढ़कर 2,858 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटा भी 11 रुपये महंगा हुआ। दाल-दलहनों में तुअर दाल औसतन 15 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मूंग दाल की कीमत 13 रुपये और उड़द दाल की पांच रुपये बढ़ गयी। मसूर दाल पांच रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। चना दाल के भाव में टिकाव रहा। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 27 रिंगिट टूटकर 4,090 रिंगिट प्रति क्विंटल पर रहा। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.75 प्रतिशत की गिरावट में 59.64 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल की औसत कीमत 45 रुपये बढ़ गयी। मूंगफली तेल में 36 रुपये और पाम ऑयल में 22 रुपये की तेजी रही। सोया तेल 16 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल की कीमत नौ रुपये और वनस्पति की चार रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव अपरिवर्तित रहे। चीनी भी तीन रुपये महंगी हुई।

देश में दूरसंचार नेटवर्क एआई से होंगे और स्मार्ट, पारदर्शी एवं सुरक्षित : ट्राई अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब टेलीकॉम सेक्टर में कोई अतिरिक्त तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि यह नेटवर्क के डिजाइन, संचालन और उपभोक्ता अनुभव का आधार बन चुकी है। जिम्मेदार एआई से उपभोक्ता भरोसा और पारदर्शिता बढ़ेगी तथा टेलीकॉम सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार होगा। ट्राई के इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान यहां सुषमा स्वराज भवन में दूरसंचार में जिम्मेदार एआई विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष अनिल कुमार लोहाटी ने कहा कि भारत जैसे बड़े देश में, जहां 1.2 अरब से ज्यादा मोबाइल ग्राहक और लगभग एक अरब डेटा उपयोगकर्ता हैं, वहां एआई आधारित ऑटोमेशन अब विकल्प नहीं बल्कि जरूरी हो गया है। कार्यक्रम में सरकार के प्रतिनिधि, वैश्विक तकनीकी कंपनियों के नेता, टेलीकॉम सेवा प्रदाता और अंतरराष्ट्रीय नीति समुदाय के सदस्य शामिल रहे।

अध्यक्ष ने बताया कि एआई का इस्तेमाल नेटवर्क प्रदर्शन सुधारने, खराबी का पूर्वानुमान लगाने, ऊर्जा बचाने, ग्राहक अनुभव बेहतर करने और स्पैम व धोखाधड़ी रोकने में किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि स्पैम कॉल और संदेशों पर कार्रवाई के तहत 21 लाख से ज्यादा नंबर बंद किए गए हैं और एआई व

ब्लॉकचेन आधारित फिल्टरिंग से शिकायतें घटकर प्रति करोड़ कॉल और एसएमएस पर लगभग एक तक रह गई हैं।

उन्होंने कहा कि एआई का इस्तेमाल जितना बड़ा होता है, उसका असर भी उतना ही व्यापक होता है। इसलिए पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा बेहद जरूरी है। ट्राई ने 2023 में एआई और बिग डेटा के इस्तेमाल पर सिफारिशें जारी की थीं, जिसमें जोखिम आधारित नियामक ढांचा सुझाया गया था। 2024 में रेगुलेटरी सैंडबॉक्स की सिफारिशें भी दी गईं, ताकि 5जी और भविष्य की 6जी नेटवर्क पर एआई आधारित समाधान सुरक्षित माहौल में परखे जा सकें। अध्यक्ष ने कहा कि आज की दो मुख्य सत्र इसी जिम्मेदारी को दर्शाते हैं। पहला सेशन नेटवर्क को एआई युग के लिए तैयार करने पर केंद्रित है, जबकि दूसरा सेशन ग्राहक भरोसा बनाने और एआई आधारित संचालन में पारदर्शिता व नैतिकता पर चर्चा करेगा। भारत का अनुभव वैश्विक स्तर पर उपयोगी साबित हो सकता है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से साझा चुनौतियों का समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि एआई टेलीकॉम का भविष्य तय करेगा, लेकिन इसे किस तरह डिजाइन और लागू किया जाता है, वही तय करेगा कि यह भविष्य भरोसेमंद, समावेशी और टिकाऊ होगा। ट्राई सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करता रहेगा ताकि एआई नवाचार के साथ-साथ जनता के हितों की भी रक्षा हो सके।

नेपाल के राजनीतिक दलों ने घोषणा पत्रों में स्वतंत्र विदेश नीति पर जोर दिया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में संसदीय चुनाव के लिए विभिन्न प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने-अपने घोषणापत्र सार्वजनिक कर दिए हैं।अधिकांश पार्टियों ने कूटनीति के क्षेत्र में स्वतंत्र विदेश नीति पर जोर दिया है नेपाली कांग्रेस ने अपने प्रतिज्ञा पत्र में कहा है कि नेपाल की संप्रभुता, भौगोलिक अखंडता, स्वतंत्रता और राष्ट्रीय हित की रक्षा के लिए सक्रिय रहते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर, गुटनिरपेक्षता, पंचशील के सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय कानून और विश्व शांति की मान्यताओं के आधार पर राष्ट्र के सर्वोच्च हित को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्र विदेश नीति अपनाई जाएगी। गगन थापा के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही नेपाली कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की रक्षा, सैन्य गठबंधन या शक्तिशाली देशों के बीच सामरिक प्रतिस्पर्धा में नेपाल प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल नहीं होगा। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली नेकपा एमाले ने अपने घोषणापत्र में पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को और अधिक विश्वासपूर्ण और मैत्रीपूर्ण बनाने की बात कही है। पार्टी ने कहा है कि हम किसी प्रकार का आग्रह या पूर्वाग्रह नहीं रखते। 'सबसे मित्रता, किसी से शत्रुता नहीं' हमारी विदेश नीति का मूल आधार है। एमाले ने किसी भी विदेशी हस्तक्षेप को अस्वीकार करने की प्रतिबद्धता जताई है।

नेपाल को इलेक्ट्रिक वाहन आयात करने में चीन का दबदबा, भारत दूसरे नंबर पर

काठमांडू। चालू आर्थिक वर्ष 2025-26 के छमाही में नेपाल ने लगभग 1400 करोड़ रुपये मूल्य के विद्युत चालित वाहन (ईवी) आयात किए हैं, जिसमें चीन से आयात किए गए ईवी वाहनों का दबदबा रहा है। नेपाल के ईवी मार्केट में चीन में निर्मित गाड़ियों का हिस्सा 71 प्रतिशत है। चीन के बाद नेपाली बाजार में विद्युत वाहन निर्यात करने वाला भारत दूसरा सबसे बड़ा देश है। भंसार विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार साउन से माघ महीने तक की अवधि में नेपाल ने विभिन्न देशों से 1394 करोड़ 77 लाख रुपये से अधिक मूल्य के विद्युत कार, जीप और वैन आयात किए हैं। इन आयातों से सरकार ने 846 करोड़ रुपये राजस्व संग्रह किया है। विभाग के अनुसार इस सात महीने की अवधि में कुल 5,894 यूनिट विद्युत वाहन नेपाल में आए हैं। देशवार आयात के आंकड़ों में उत्तरी पड़ोसी देश चीन का स्पष्ट दबदबा दिखाई देता है। इस अवधि में केवल चीन से ही कुल 4,204 यूनिट विद्युत वाहन आयात हुए हैं, जिनका कुल मूल्य लगभग 990 करोड़ रुपये है।विभाग के अनुसार यह कुल आयात का 71 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। चीनी ब्रांड के वाहन विभिन्न मूल्य श्रेणियों और आधुनिक तकनीक में उपलब्ध होने के कारण नेपाली ग्राहकों की पहली पसंद बने हुए हैं। चीन से आए इन वाहनों से ही सरकार ने 6 अरब रुपये से अधिक राजस्व संग्रह किया है, जो ईवी आयात से प्राप्त कुल राजस्व का बड़ा हिस्सा है।

ट्रंप ने 'बोर्ड ऑफ पीस' के लिए 10 अरब अमेरिकी डॉलर देने का किया वादा, चीन और रूस को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा के पुनर्निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय निकाय 'बोर्ड ऑफ पीस' का उद्घाटन किया और उम्मीद जतायी कि चीन और रूस भी इसमें शामिल होंगे। श्री ट्रंप ने यहां उद्घाटन संबोधन में कहा, ' कई देश बोर्ड में शामिल होने की प्रक्रिया में हैं। मैं चाहूंगा कि चीन और रूस भी इसमें शामिल हों, उन्हें आमंत्रित भी किया गया है। इस मौके पर करीब 50 देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इनमें से 27 देश औपचारिक रूप से बोर्ड के सदस्य हैं, जबकि यूरोपीय संघ तथा अन्य देश पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे। श्री ट्रंप ने घोषणा की कि बोर्ड के नौ सदस्यों ने गाजा राहत के लिए कुल सात अरब अमेरिकी डॉलर देने का वादा किया है, जबकि अमेरिका 10 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान देगा। उन्होंने कहा, ' युद्ध की लागत की तुलना में यह राशि बहुत कम है।' उन्होंने अमेरिका के 10 अरब डॉलर देने के वायदे पर कहा कि यह काफी छोटी रकम है। लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि 10 अरब डॉलर कहां से आएंगे और कैसे खर्च किए जाएंगे। श्री ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र की उसकी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन न करने के लिए आलोचना की।

आईएमएफ का दावा: पाकिस्तान के आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता आई

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के तहत पाकिस्तान की ओर से किये गये नीतिगत उपायों ने देश की डगमगाती अर्थव्यवस्था के वित्तीय सुदृढ़ीकरण में योगदान दिया है जिससे निवेशकों का विश्वास बहाल हुआ है।आईएमएफ की संचार विभाग की निदेशक जूली कोज़ैक ने गुरूवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पाकिस्तान के नीतिगत प्रयासों ने अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और विश्वास को फिर से बनाने में मदद की है। इसके चलते कई प्रमुख व्यापक आर्थिक संकेतकों में सुधार देखा गया है। राजकोषीय प्रदर्शन को मजबूत बताते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.3 प्रतिशत प्राथमिक राजकोषीय अधिशेष हासिल किया है, जो निर्धारित कार्यक्रम के लक्ष्यों के अनुरूप है।

पाकिस्तान में 7 करोड़ लोग बेहद गरीब, आय असमानता 27 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर: रिपोर्ट

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में गरीबी दर में लगातार इजाफा हो रहा है। ये 11 साल के सबसे ऊंचे दर यानी 29 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि आय असमानता भी परेशानी की वजह बनी है। ये 27 साल में अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। स्थानीय मीडिया ने देश के योजना मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक सर्वे का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। योजना मंत्री अहसान इकबाल ने इन तथ्यों को सामने रखा है। इन आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान में करीब 7 करोड़ लोग अब 8,484 रुपए की महीने की आय पर जिंदगी बसर कर रहे हैं–यह आमदनी बहुत कम है और जिंदगी की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने में नाकाम है। फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के शुरुआती आकलन के मुताबिक, 2018-19 (गरीबी को लेकर पाकिस्तान का पिछला सर्वे) के बाद से गरीबी दर 32 फीसदी बढ़ी है।

नतीजों से पता चला कि 2019 में गरीबी दर 21.9 फीसदी थी, लेकिन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार के पहले साल में यह बढ़कर 28.9 फीसदी हो गई। 2014 के बाद ये दर सबसे ज्यादा है; तब गरीबी दर 29.5 फीसदी दर्ज की गई थी। सर्वे में पाकिस्तान में आय असमानता में तेजी से हो रही वृद्धि पर भी प्रकाश डाला गया है, जो बढ़कर 32.7 हो गई; ये 1998 में 31.1 थी। पाकिस्तान के जाने-माने अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान में बेरोजगारी दर भी रिकॉर्ड तोड़ बढ़ी है। ये 7.1 प्रतिशत दर्ज की गई, जो 21 साल में सबसे ज्यादा है। वहीं 11 साल में सबसे ज्यादा गरीबी दर और 27 साल में सबसे ज्यादा इनकम इनइक्वालिटी यानी आय असमानता दर्ज की गई। ये परिणाम बताते हैं कि हुक्मरान की नीतियों में दम नहीं है और उनकी खराब नीतियां जनता को नुकसान पहुंचा रही हैं। ग्रामीण इलाकों में गरीबी बहुत ज्यादा बढ़ी, जो 28.2 प्रतिशत से बढ़कर 36.2 प्रतिशत हो गई, जबकि शहरों में गरीबी 11 प्रतिशत से बढ़कर 17.4 प्रतिशत हो गई। इकबाल ने बताया कि सभी राज्यों में गरीबी बढ़ी; पंजाब में यह 16.5 प्रतिशत से बढ़कर 23.3 प्रतिशत हो गई (सात साल में 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी), और सिंध में गरीबी 24.5 प्रतिशत से बढ़कर 32.6 प्रतिशत हो गई, जो इसी अवधि में एक-तिहाई बढ़ोतरी को दर्शाती है। खैबर-पख्तूनख्वा में, गरीबी दर 28.7 प्रतिशत से बढ़कर 35.3 प्रतिशत हो गई, जो एक साल के अंदर लगभग एक-चौथाई बढ़ोतरी दिखाती है।बलूचिस्तान सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांत बना हुआ है, जहां लगभग हर दूसरा व्यक्ति गरीबी में जीवन गुजार रहा है।

नेपाल-भारत आर्थिक सहकार्य सहज और परिणाममुखी बनाने पर जोर

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ के अध्यक्ष चन्द्रप्रसाद ढकाल ने नेपाल-भारत आर्थिक सहयोग को और अधिक परिणाममुखी बनाने पर जोर दिया है। नई दिल्ली में शुरू हुए 'द्वितीय इंडो-नेपाल व्यापार महोत्सव 2026' को शनिवार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सरल कस्टम प्रक्रिया, मानकों का समन्वय, डिजिटल व्यापार प्रणाली का सुदृढ़ीकरण तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों को वित्तीय पहुँच और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में सहूलियत प्रदान की जानी चाहिए। ढकाल ने कहा कि भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार और प्रमुख निवेश स्रोत है। उन्होंने उल्लेख किया कि खुली सीमा, सांस्कृतिक निकटता और जनस्तर के संबंधों ने दोनों देशों की साझेदारी को विशिष्ट बनाया है। उन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और आपूर्ति शृंखलाओं में अवरोध की स्थिति का उल्लेख करते हुए पड़ोसी देशों के बीच सहयोग को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनका कहना था कि भारत के हालिया केंद्रीय बजट में अवसंरचना, डिजिटल कनेक्टिविटी, हरित ऊर्जा तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों के प्रोत्साहन को दी गई प्राथमिकता नेपाल के लिए भी नए अवसर सृजित कर सकती है। मधुमेह हमेशा के लिए ख़त्म हो जाएगा! सोने से पहले इतना ही करें अध्यक्ष ढकाल ने जानकारी दी कि नेपाल जलविद्युत संसाधनों में समृद्ध है और भारत को बिजली निर्यात शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि उपयुक्त प्रसारण लाइन और नीतिगत स्थिरता सुनिश्चित होने पर नेपाल भारत का विश्वसनीय हरित ऊर्जा साझेदार बन सकता है।

सर्बिया ने अपने नागरिकों से कहा, 'जितनी जल्दी हो सके' ईरान छोड़ दें

एजेंसी

नई दिल्ली । पोलैंड के बाद सर्बिया ने अपने नागरिकों से ईरान छोड़ने की अपील की है। सर्बियाई विदेश मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बयान जारी किया। बयान में कहा गया, 'सुरक्षा व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति के कारण, सर्बिया गणराज्य के नागरिकों को ईरान जाने की सलाह नहीं दी जाती है। वहीं, ईरान में मौजूद सभी लोगों को जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी जाती है।' दरअसल, अमेरिका ने पिछले 22 साल में मिडिल ईस्ट में सबसे बड़ी सैन्य तैनाती की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस्लामिक रिपब्लिक के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर सैन्य कार्रवाई की धमकी भी दे रहे हैं। इन्हीं सब चेतावनियों और धमकियों के बीच, सर्बिया ने ईरान में अपने नागरिकों से 'जितनी जल्दी हो सके' देश छोड़ने की अपील की है।

बाल्कन देश ने जनवरी में ही सर्बियाई नागरिकों को ईरान छोड़ने और वहां न जाने के लिए कहा था। दिसंबर 2025 के अंत और जनवरी 2026

की शुरुआत में देश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे।

गुरुवार को ही पोलिश पीएम डोनाल्ड टस्क ने अपने लोगों से ईरान न जाने और वहां से लौट आने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए ईरान में मौजूद पोलिश नागरिकों को तुरंत वहां से निकल जाना चाहिए क्योंकि हथियारों से लैस लड़ाई की आशंका के कारण 'कुछ ही घंटों में निकलना मुमकिन नहीं होगा।' टस्क ने कहा, 'प्लीज तुरंत ईरान छोड़ दें... और किसी भी हालत में इस देश में न जाएं।' वारसा के पास जिलोंका शहर में मीडिया के हवाले से कहा, 'मैं किसी को डराना नहीं चाहता, लेकिन हम सब जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं। लड़ाई की आशंका है। 'प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी कि 'कुछ या बहुत ज्यादा घंटों में लोगों को निकालना मुमकिन नहीं हो पाएगा।' उन्होंने पोलैंड के लोगों से चेतावनी को गंभीरता से लेने की अपील की थी। पोलैंड की सरकार ने इस बारे में डिटेल नहीं दी कि कितने पोलिश नागरिक ईरान में रह रहे हैं। टस्क ने कहा, 'हमारे अनुभव बुरे रहे हैं। कुछ लोग ऐसी अपीलों को कम आंकते हैं।' इस बीच अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर ट्रंप हमला करने का फैसला लेते हैं तो उनके पास कई सैन्य विकल्प मौजूद हैं। इनमें सीमित और टारगेटेड हमले से लेकर ऐसे सैन्य अभियान भी शामिल हैं जो कई हफ्तों तक चल सकते हैं। कुछ में तेहरान के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाने की भी तैयारी शामिल है।

चिली में भीषण सड़क हादसा, देखते ही देखते सफेद धुएं में समा गई करीब 50 गाड़ियां, 4 की मौत

एजेंसी

वॉशिंगटन। चिली की राजधानी सैंटियागो में एक गैस टैंकर के पलटने के बाद हुए भीषण विस्फोट में 4 लोगों की मौत हो गई और 17 घायल हैं। घटना का खौफनाक वीडियो वायरल हो रहा है। चिली की राजधानी सैंटियागो से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक लिक्विड गैस टैंकर के पलटने के बाद हुए भीषण विस्फोट ने भारी तबाही मचाई है। इस हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत की खबर है, जबकि 17 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस ब्लास्ट का एक खौफनाक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे पलक झपकते ही पूरा इलाका एक घने सफेद बादल में तब्दील हो गया और दर्जनों गाड़ियाँ उसकी चपेट में आ गईं। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हादसा 19 फरवरी को उस समय हुआ जब liquefied gas ले जा रहा एक टैंकर ओवरपास के नीचे अनियंत्रित होकर पलट गया। टैंकर के पलटते ही उसमें से भारी दबाव के साथ अत्यधिक ठंडी गैस का रिसाव शुरू हो गया। जब यह अल्ट्रा-कोल्ड गैस हवा के संपर्क में आई तो उसने condensed water vapor के साथ प्रतिक्रिया कर एक विशाल और घना सफेद वाष्प बादल बना लिया।

वीडियो में देखा जा सकता है कि यह बादल सड़क पर किसी घने कोहरे की तरह बेहद तेज गति से फैला। बादल इतनी तेजी से फैला कि सड़क पर चल रहे मोटर चालकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उसने कई लेनों को सेकंडों में अपनी चपेट में ले लिया। विस्फोट की शक्ति इतनी अधिक थी कि इसका प्रभाव 150 से 200 मीटर के दायरे में महसूस किया गया। इस भीषण हादसे में कम से कम 50 वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं जिनमें कई कारें और मोटरसाइकिलें शामिल थीं जो सीधे उस वाष्प बादल की राह में आ गई थीं। धमाके के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई और बचाव दल के पहुंचने तक चारों ओर तबाही का मंजर था। घायल हुए 17 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। शुरुआती जांच और चश्मदीदों के अनुसार, टैंकर के चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया था जिसके बाद टैंकर ओवरपास के सपोर्ट पिलर्स के पास हिंसक रूप से पलट गया। यह ट्रक स्थानीय गैस कंपनी 'गास्को' से जुड़ा हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सार्वजनिक अभियोजक के कार्यालय ने दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रमुख ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की है कि ड्राइवर के नियंत्रण खोने की वजह से ही यह डरावना हादसा हुआ। प्रशासन अब इस बात की जांच कर रहा है कि क्या टैंकर में कोई तकनीकी खामी थी या यह मानवीय भूल का नतीजा था।

भारत ने किया सुरक्षा परिषद में तीसरी सदस्यता श्रेणी का विरोध, कहा-स्थायी सीटों के विस्तार के बिना सुधार अधूरा

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । भारत ने संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में सदस्यता की तीसरी कैटेगरी के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव में लंबे कार्यकाल, पुनः निर्वाचित होने की योग्यता और स्थायी सदस्यता विस्तार के विकल्प के रूप में शामिल होने की बात कही गई थी। भारत ने इसे सुधारों में देरी करने की चाल करार दिया है। भारत की स्थायी उप-प्रतिनिधि योजना पटेल ने कहा कि सुरक्षा परिषद में तीसरे प्रकार की सदस्यता का प्रस्ताव केवल यूएन को दशकों तक वैधता के संकट में डालता रहेगा। इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशन (आईजीएन) की एक मीटिंग में उन्होंने कहा, 'तीसरी कैटेगरी पर विचार करने का मकसद प्रक्रिया को और टालना और सुधार की दिशा को पूरी तरह से भटकाना है, या जानबूझकर एक अधूरी पेशकश करना है, जो असली सुधार को कई दशकों तक टाल देगा और इससे यूएन की वैधता, विश्वसनीयता और प्रासंगिकता को नुकसान पहुंचेगा।'

तीसरे प्रकार की सदस्यता, जिसे फिक्स्ड रीजनल सीट कहा जाता है, मुख्य रूप से उन देशों के एक छोटे समूह से आई है जो स्थायी सदस्यता बढ़ाने के विरोधी हैं। यह एक समूह है जो सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के विस्तार का विरोध करता है और विभिन्न देशों के बीच सामूहिक सहमति बनाने का प्रयास करता है, जिसका लीडर इटली और पाकिस्तान भी है। सहमति समूह (यूएफसी) ने इस कैटेगरी का प्रस्ताव परमानेंट मेंबरशिप कैटेगरी को बढ़ाने के बदले में दिया है। यूएफसी ने बातचीत में तरक्की को रोकने के लिए प्रोसिजरल पैंतरेबाजी का इस्तेमाल करके लगातार रुकावट डाली है, ताकि तरक्की के लिए जरूरी बातचीत के टेक्स्ट को अपनाया न जा सके।समूह पर निशाना साधते हुए पटेल ने कहा, 'कुछ अपने फायदे वाले सदस्य देशों को छोड़कर, ज्यादातर सदस्य इस बात से सहमत हैं कि सुरक्षा परिषद में सुधार का समय कल की बात है।' भारत को शामिल करने वाले ग्रुप ऑफ 4 की ओर से बोलने वाले जापान के स्थायी प्रतिनिधि यामाजाकी काजुयुकी ने बताया कि 'प्रस्तावित कैटेगरी की सीटें असल में मौजूदा अस्थायी सीटों से अलग नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'चूंकि इस प्रस्तावित कैटेगरी के लिए सदस्यता की निरंतरता पक्की नहीं है, इसलिए यह स्थायी सीटों का सब्स्टीट्यूट नहीं हो सकती और काउंसिल के अंदर अभी मौजूद स्ट्रक्चरल असंतुलन का समाधान नहीं है।' जी4, जिसमें जर्मनी और ब्राजील भी शामिल हैं, मिलकर स्थायी सदस्यता बढ़ाने जैसे सुधार की वकालत करता है और इसके सदस्य स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।यामाजाकी ने कहा, 'जी4 फिर से कहता है कि यह प्रस्ताव स्थायी और अस्थायी दोनों कैटेगरी में विस्तार का समर्थन करने वाली ज्यादातर आवाजों को नजरअंदाज करता है।' एक और सुधार-समर्थक समूह, जिसमें भारत भी शामिल है, एल.69, भी तीसरी कैटेगरी के प्रस्ताव के खिलाफ आया।

सेंट लूसिया की स्थायी प्रतिनिधि मेनिसा रैम्बली ने एल.69 समूह की तरफ से बात की। उन्होंने कहा कि वह किसी भी इंटरमीडिएट या हाइब्रिड प्रस्ताव को चिंता के साथ देखती है, जो दो कैटेगरी की जगह लेता है। उन्होंने कहा, 'यह काउंसिल का असली सुधार नहीं होगा और ग्लोबल साउथ ने हाइब्रिड फॉर्मूला को सिर्फ सांत्वना या सुधार के दिखावे के तौर पर स्वीकार करने के लिए 80 साल इंतजार नहीं किया।'

नेपाल में संसद विघटन के विरुद्ध याचिका की सुनवाई चुनाव के अगले दिन

एजेंसी

काठमांडू। जेन-जी आंदोलन के बल पर गठित सुशीला कार्की नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए संसद विघटन के खिलाफ दायर रिट याचिका पर सुनवाई के लिए सर्वोच्च अदालत ने चुनाव के ठीक अगले दिन की तारीख तय की है। अधिवक्ता प्रेमराज सिलवाल के अनुसार सर्वोच्च अदालत ने छह मार्च की तारीख निर्धारित की है। सरकार ने पांच मार्च को चुनाव की तैयारी पूरी कर ली है। उन्होंने बताया कि मामले में कुछ आवश्यक पक्ष अधूरे होने के कारण नियमित पेशी निर्धारित नहीं की गई।

संसद विघटन के खिलाफ सर्वोच्च अदालत में 29 अक्टूबर 2025 को संवैधानिक इजलास ने 16 रिट याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मार्ग अवधि को छोड़कर सात दिनों के भीतर लिखित जवाब प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। इसके बाद नेकपा एमाले के सांसदों और नेपाली कांग्रेस ने अलग-अलग रिट दायर किए थे। उनकी याचिकाओं में भी लिखित जवाब मांगा गया था। सभी रिट में विपक्ष बनाए गए पक्षों से लिखित जवाब प्रस्तुत हो चुके हैं, लेकिन कुछ विषयों से संबंधित फाइलें अभी आना बाकी होने के कारण सर्वोच्च अदालत ने केवल सामान्य तारीख दी है। अबतक इन रिटों पर केवल प्रारंभिक सुनवाई हुई है। सर्वोच्च अदालत के संवैधानिक इजलास में जनहित और राजनीतिक दलों की याचिकाएं विचाराधीन हैं। रिट में प्रतिनिधि सभा विघटन और वर्तमान प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की नियुक्ति को असंवैधानिक बताते हुए राष्ट्रपति द्वारा किए गए निर्णय को रद्द करने की मांग की गई है। यदि निर्धारित तिथि पर चुनाव संपन्न हो जाता है, तो इन रिटों की प्रासंगिकता समाप्त हो सकती है।

1912 से चली आ रही परंपरा में जुड़ा नया अध्याय, मेलानिया ट्रंप ने 2025 शपथग्रहण गाउन म्यूजियम को किया दान

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने अपनी 2025 के शपथग्रहण समारोह में पहने गए गाउन को स्मिथसोनियन नेशनल म्यूजियम ऑफ अमेरिकन हिस्ट्री को दान कर दिया है। उन्होंने कहा कि 'अमेरिका का फैशन उद्योग दुनिया का नेतृत्व कर सकता है।' मेलानिया ने कहा, 'हर सिलाई में मानवीय भावना समाई होती है। यह गाउन अब संग्रहालय के ऐतिहासिक 'फर्स्ट लेडीज कलेक्शन' का हिस्सा बन गया है। 1912 में स्थापित इस संग्रह में प्रथम महिलाओं द्वारा पहने गए शपथग्रहण परिधानों को प्रदर्शित किया जाता है और यह स्मिथसोनियन की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली प्रदर्शनियों में से एक है। मेलानिया ने कहा, 'यह सिर्फ एक ड्रेस नहीं है। यह 50 से अधिक वर्षों की शिक्षा, अनुभव और समझ का परिणाम है, जो हर धागे और हर सिलाई में

झलकता है।' यह ऑफ-व्हाइट सिल्क क्रेप का स्ट्रैपलेस गाउन डिजाइनर हार्वे पियरे ने तैयार किया था, जिसे काले सिल्क गजार से सजाया गया है। इसे हैरी विंस्टन द्वारा 1955 में बनाए गए हीरे के ब्रोच की प्रतिकृति के साथ पहना गया था, जिसे काले रिबन चोकर पर लगाया गया था। मेलानिया ट्रंप ने इस डिजाइन को अमेरिकी कारीगरी को समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे जटिल परिधान को तैयार करना आसान नहीं होता और इसके पीछे पैटर्न मेकर्स, दर्जियों और कारीगरों की एक उत्कृष्ट टीम का योगदान होता है। यह इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका का फैशन उद्योग दुनिया का नेतृत्व क्यों कर सकता है। मेलानिया ट्रंप ने कहा, 'मुझे डिजाइन की पूरी प्रक्रिया, शुरुआत से अंत तक बेहद पसंद है। इसमें समय लगता है, यह धीमी प्रक्रिया है, लेकिन परिणाम हमेशा जादुई होता है।' उन्होंने कहा, 'हमें न केवल अपनी देखभाल की छोटी-छोटी परंपराओं पर गर्व करना चाहिए, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति के साहसिक कदम पर भी–जो दुनिया के सामने हमारे व्यक्तित्व को दर्शाता है। 'मेलानिया ट्रंप पहली ऐसी प्रथम महिला हैं जिन्होंने दूसरी बार अपना शपथग्रहण गाउन दान किया है। वह इतिहास की दूसरी प्रथम महिला हैं जिनके दो शपथग्रहण गाउन इस संग्रह में शामिल हैं। उनसे पहले यह सम्मान 1897 और 1901 में आइडा मैकिनले को मिला था। यह गाउन अब नेशनल म्यूजियम ऑफ अमेरिकन हिस्ट्री में आम जनता के लिए प्रदर्शित है। संग्रहालय प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुला रहता है और प्रवेश निशुल्क है। स्मिथसोनियन का फर्स्ट लेडीज कलेक्शन एक सदी से भी अधिक पुराना है और इसमें गाउन से लेकर निजी सामान और व्हाइट हाउस की यादगार वस्तुओं तक लगभग 1,000 वस्तुएं शामिल हैं।

हिन्दू मुस्लिम समुदाय के बीच झड़प होने के बाद कर्फ्यू आदेश जारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के मधेश प्रांत में रौतहट जिले में गौर नगरपालिका के सनगढ़ गाँव में दो समुदायों के बीच हुआ विवाद गंभीर रूप ले चुका है और तीन दिन बीतने के बाद भी सुलझ नहीं पाया है। एक मामूली विवाद के रूप में शुरू हुई घटना आगजनी और तोड़फोड़ तक पहुँच गई।

पुलिस के अनुसार, विवाद एक विवाह समारोह के दौरान बजाए गए संगीत को लेकर उत्पन्न हुआ। पास की एक मस्जिद में रात्रि नमाज़ के समय संगीत बजने से स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद तीखी बहस हुई और कुछ लोगों के साथ कथित मारपीट भी की गई। शुक्रवार सुबह दोनों पक्षों के बीच फिर से पत्थरबाजी होने की खबर है, जिससे तनाव और बढ़ गया। स्थानीय

प्रशासन का कहना है कि अशांति धीरे-धीरे आसपास के अन्य क्षेत्रों में भी फैल गई है। इस बीच जिला प्रशासन कार्यालय, रौतहट ने बिगड़ती स्थिति को देखते हुए गौर-6 के कुछ इलाकों में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। मुख्य जिला अधिकारी द्वारा जारी सूचना के अनुसार, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अगले आदेश तक सभा, जुलूस, रैली, धरना, नारेबाजी तथा इसी प्रकार की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सूचना में कहा गया है कि निर्धारित क्षेत्र में पाँच से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर रोक रहेगी तथा प्रदर्शन या उकसाने वाली गतिविधियाँ प्रतिबंधित रहेंगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गौर नगरपालिका के संवेदनशील स्थानों में निषेधाज्ञा लागू की गई है और आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरणों ने स्थानीय निवासियों से शांति बनाए रखने तथा अफवाहों पर ध्यान न देने और उन्हें न फैलाने की अपील की है। क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

दुबई से काठमांडू पहुंचे तीन भारतीय मुस्लिम 11 किलो चरस के साथ गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आगमन सुरंग गेट से 11.27 किलोग्राम चरस के साथ तीन भारतीय मुस्लिम नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। केंद्रीय पुलिस प्रवक्ता एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक

अविन नारायण काफ्ले ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान 43 वर्षीय समीना अख्तर बेग मिर्जा, 24 वर्षीय मोहम्मद जुनैद और 44 वर्षीय अफसाना अमीर हुसैन शेख के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान जुनैद और मिर्जा के पास से लगभग 3.87 किलोग्राम तथा शेख के पास से 7.4 किलोग्राम चरस बरामद की गई। प्रवक्ता काफ्ले के अनुसार फ्लाई दुबई के विमान से दुबई से काठमांडू पहुंचे तीनों भारतीयों को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के हवाले कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बौखलाए ट्रंप, सभी देशों पर तुरंत लागू होगा 10 फीसदी ग्लोबल टैरिफ

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट की तरफ से फैसला आने के बाद तुरंत 10 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ट्रंप ने 10 फीसदी का नया टैरिफ लागू करने वाले आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया है और कहा कि यह तुरंत लागू होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दूसरी बार सत्ता में वापसी के बाद सभी देशों पर अपनी शर्तों के हिसाब से व्यापार करने के लिए अलग-अलग टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ के फैसले को अवैध करार दिया है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ने 10 फीसदी का नया टैरिफ लागू करने का ऐलान किया, जो तुरंत लागू होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'ओवल ऑफिस से सभी देशों पर ग्लोबल 10 फीसदी टैरिफ पर हस्ताक्षर करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है, जो लगभग तुरंत लागू होगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद!' इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'कोर्ट ने कहा कि मुझे 1 डॉलर भी चार्ज करने की इजाजत नहीं है। मैं एक पैसा इस्तेमाल करता, लेकिन अब हम पैसे नहीं कमाते। हम पैसे बचाते हैं। आईईईपीए के तहत किसी भी देश से 1 डॉलर चार्ज नहीं कर सकता।'

उन्होंने कहा, 'यह उन दूसरे देशों को बचाने के लिए किया गया होगा, अमेरिका के लिए तो बिल्कुल नहीं। लेकिन मुझे उन देशों के साथ कोई भी या सारा ट्रेड या बिजनेस खत्म करने की इजाजत है। दूसरे शब्दों में, मैं ट्रेड खत्म कर सकता हूं। मुझे किसी दूसरे देश पर बैन लगाने की भी इजाजत है। मैं बैन लगा सकता हूं। मैं जो चाहूं कर सकता हूं, लेकिन मैं 1 डॉलर चार्ज नहीं कर सकता क्योंकि इसमें ऐसा नहीं लिखा है। मैं उनके साथ जो चाहूं कर सकता हूं, लेकिन मैं कोई पैसा चार्ज नहीं कर सकता।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे देश को बर्बाद करने की इजाजत है, लेकिन मैं उनसे थोड़ी सी फीस नहीं ले सकता। जरा सोचिए, यह कितना अजीब है? मुझे उन पर रोक लगाने की इजाजत है। मुझे उनसे यह कहने की इजाजत है, 'आप अब अमेरिका में बिजनेस नहीं कर सकते। हम आपको यहां से बाहर निकालना चाहते हैं।' लेकिन अगर मैं उनसे 10 डॉलर चार्ज करना चाहता हूं, तो मैं ऐसा नहीं कर सकता।

व्हाइट हाउस ने कहा कि भारत, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन और जापान सहित जिन देशों ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ व्यापार समझौता किया है, उन पर कुछ समय के लिए एक जैसा 10 फीसदी टैरिफ लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेशनल इकोनॉमिक इमरजेंसी पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत सरकार के इमरजेंसी टैरिफ पावर के इस्तेमाल पर रोक लगाने का फैसला किया है। आईईईपीए अथॉरिटी को रद्द करने के बाद जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बारे में एक नए आदेश पर हस्ताक्षर किया, तो व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा, 'यूनाइटेड स्टेट्स के सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि प्रेसिडेंट आईईईपीए लीगल अथॉरिटी का इस्तेमाल करके टैरिफ नहीं लगा सकते।' अधिकारी ने आगे कहा कि जिन देशों ने ट्रंप के साथ ट्रेड अरेंजमेंट पर बातचीत की थी, उन पर सरकार आईईईपीए लीगल अथॉरिटी का इस्तेमाल करके टैरिफ लगा रही थी। अब जब वह अथॉरिटी लागू नहीं है, तो उन देशों पर अब सेक्शन 122 लीगल अथॉरिटी का इस्तेमाल करके 10 प्रतिशत का ग्लोबल टैरिफ लगाया जाएगा। अधिकारी ने कहा, 'हालांकि, यह सिर्फ अस्थाई है क्योंकि सरकार ज्यादा सही या पहले से तय टैरिफ रेट लागू करने के लिए दूसरी लीगल अथॉरिटी से बात करेगी। तब तक, हम उम्मीद करते हैं कि सभी देश ट्रेड बैरियर कम करने और दूसरी रियायतों पर अपने ट्रेड डील कमिटमेंट का पालन करते रहेंगे, जिनमें कोई बदलाव नहीं हुआ है।'

page 1 and 8 Feb 22_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/21/2026 11:33 PM Page 2

अदरक की खेती

अदरक भारतवर्ष की प्रमुख मसाला फसलों में से एक है । अदरक का प्रयोग मसाले, औषधिया और सौन्दर्य सामग्री के रूप में हमारे दैनिक जीवन में वैदिक काल से चला आ रहा हैं।

खुशबू पैदा करने के लिये आचार, चाय के अलावा कई व्यजंनो में अदरक का प्रयोग किया जाता हैं। सर्दियों में खाँसी जुकाम आदि के लिए भी इसका प्रयोग आम हैं। अदरक का सोंठ के रूप में इस्तमाल किया जाता हैं। अदरक का तेल, चूर्ण और अंगलियोरजिन भी औषधियों में उपयोग किया जाता हैं।

अदरक के महत्व को समझते हुए कृषकों को अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए इसकी खेती वैज्ञानिक तकनीकी से करनी चाहिए। ताकि उनकों अधिक लाभ प्राप्त हो सके। इस लेख में अदरक की उन्नत खेती कैसे करें की पूरी जानकारी का उल्लेख किया गया है।

अदरक का उपयोग

औषधियों के रूप में- सर्दी-जुकाम, खाँसी खून की कमी, पथरी, लीवर वृद्धि, पीलिया, पेट के रोग, वाबासीर, और वायु रोगीयों के लिये दवा बनाने में प्रयोग की जाती हैं।

मसाले के रूप में- चटनी, जैली, सब्जियो, भार्बत, लडडू, चाट आदि में कच्ची और सूखी अदरक का उपयोग किया जाता हैं।

सौंदर्य प्रसाधन में- अदरक का तेल, पेस्ट, पाउडर और क्रीम बनाने में भी इसका उपयोग किया जाता हैं।

अदरक की खेती गर्म तथा आर्द्रता वाले स्थानों में की जाती है । मध्यम वर्षा या सिंचाई बुवाई के समय अदरक की गाँठों के अंकुरण के लिये आवश्यक होती है। इसके बाद थोड़ी ज्यादा वर्षा पौधों को वृद्धि के लिये तथा इसकी खुदाई के एक माह पूर्व सूखे मौसम की आवश्यकता होती हैं। समय पर वुवाई या रोपण अदरक की खेती के लिये अति आवश्यक हैं।

1500 से 1800 मिलीमीटर, वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में इसकी खेती से अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती हैं। परन्तु उचित जल निकास रहित स्थानों पर खेती को भारी नुकसान होता हैं। औसत तापमान 25 डिग्री सेन्टीग्रेड, गर्मीयों में 35 डिग्री सेन्टीग्रेड वाले स्थानों पर इसकी खेती बागों में अन्तरवर्तीय फसल के रूप में की जा सकती है।

अदरक की खेती बलुई दोमट जिसमें अधिक मात्रा में जीवाशं या कार्बनिक पदार्थ की मात्रा हो वो भूमि सबसे ज्यादा उपयुक्त रहती है। मिटटी का पी एच मान 5.6 ये 6.5 और अच्छे जल निकास वाली भूमि सबसे अच्छी, अदरक की फसल से अधिक उपज के लिऐ रहती हैं। इसकी एक ही भूमि पर बार-बार फसल लेने से भूमि जनित रोग एवं कीटों में वृद्धि होती हैं। इसलिये फसल चक अपनाना चाहिये। उचित जल निकास ना होने से कन्दों का विकास अच्छे से नही होता।

मार्च से अप्रैल में खेत की गहरी जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद खेत को खुला धूप लगने के लिये छोड़ देते हैं। मई के महीने में डिस्क हैरो या रोटावेटर से जुताई करके मिट्टी को भुरभुरी बना लेते हैं। अनुशंसित मात्रा में गोबर की सड़ी खाद या कम्पोस्ट तथा नीम की खली का सामान रूप से खेत में डालकर पुन: कल्टीवेटर या देशी हल से 2 से 3 बार आड़ी-तिरछी जुताई करके पाटा चला कर खेत को समतल कर लेना चाहिये।

सिचाई की सुविधा और बोने की विधि के अनुसार तैयार खेत को छोटी-छोटी क्यारियों में बाँट लेना चाहिये। अंतिम जुताई के समय उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का प्रयोग करना चाहिये। शेष उर्वरकों को खड़ी फसल में देने के लिये बचा लेना चाहिये।

उन्नत किस्में

सूखा अदरक हेतु- करक्कल, नदिया, मारन, विनाड, मननटोडी, वल्लूवनद, इमड और कुरूप्पमपदी आदि प्रमुख है।

ताजे अदरक हेतु- रिपोडीजेनेरो, चाइना, विनाड और टफन्जिया आदि प्रमुख है।

जेल (जिन्जेरॉल) हेतु- स्लिवा स्थानीय, नरसापट्टम, इमड, चेमड और हिमाचल प्रदेश आदि प्रमुख है।

ओलियोरेगिन हेतु- इमड, चेमड, चाइना, कुरूप्पमपदी और रियो डी जेनेरो आदि प्रमुख है।

अल्पा रेशित व ताजे कन्द हेतु- जमैका, बैंकाक और चाइना आदि प्रमुख है।

अदरक की बुबाई दक्षिण भारत में मानसून फसल के रूप में अप्रैल से मई में की जाती जो दिसम्बर में परिपक्व होती है। जबकि मध्य और उत्तर भारत में अदरक एक शुष्क और सिंचित क्षेत्र की फसल है, में अप्रैल से जून माह तक बुवाई योग्य समय हैं। सबसे उपयुक्त समय 15 मई से 30 मई हैं। 15 जून के बाद वुवाई करने पर कंद सड़ने लगते हैं तथा अंकुरण पर प्रभाव बुरा पड़ता हैं।

केरल में अप्रैल के प्रथम सप्ताह में वुवाई करने पर उपज 200 प्रतिशत तक अधिक पाई गई हैं। वही सिचाई वाले क्षेत्रों में फरवरी के मध्य बोने से अधिक उपज प्राप्त हुई पायी गयी तथा कन्दों के जमने में 80 प्रतिशत की वृद्धि ऑकी गयी है। पहाड़ी क्षेत्रो में 15 मार्च के आस-पास वुवाई की जाने वाली अदरक में सबसे अच्छा उत्पादन प्राप्त हुआ है।

अदरक की खेती के लिए 20 से 25 क्विंटल प्रकन्द प्रति हेक्टेयर बीज दर उपयुक्त रहती हैं और पौधों की संख्या 140000 प्रति हेक्टेयर पर्याप्त मानी जाती हैं। मैदानी भागो में 15 से 18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर बीज की मात्रा का चुनाव किया जा सकता हैं। क्योंकि अदरक की कुल लागत का 30 से 40 प्रतिशत बीज में लग जाता इसलिये बीज की मात्रा का चुनाव, किस्म, क्षेत्र और प्रकन्दों के आकार के अनुसार ही करना चाहिये।

अदरक के प्रकन्द बीजों को खेत में वुबाई, रोपण और भण्डारण के समय उपचारित करना आवश्यक हैं। बीज उपचारित करने के लिये (मैंकोजेब + मैटालैक्जिल) या कार्बोन्डाजिम की 3 ग्राम मात्रा को प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर कन्दों को 30 मिनट तक डुबो कर रखना चाहिये साथ ही स्ट्रप्टोसाइकिलन या प्लान्टो माइसिन भी 5 ग्राम की मात्रा 20 लीटर पानी के हिसाब से मिला लेते है।

जिससे जीवाणु जनित रोगों की रोकथाम की जा सके, पानी की मात्रा घोल में उपचारित करते समय कम होने पर उसी अनुपात में मिलाते जाय और फिर से दवा की मात्रा भी चार बार के उपचार करने के बाद फिर से नया घोल वनायें। उपचारित करने के बाद बीज कों थोडी देर छावं में सुखाकर वोनी करें।

प्रकन्दों को 40 सेंटीमीटर के अन्तराल पर बोना चाहिये। मेड़ या कूड़ विधि से बुवाई करनी चाहिये। प्रकन्दों को 5 सेंटीमीटर की गहराई पर बोना चाहिये, बाद में अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद या मिट्टी से ढक देना चाहिये। यदि रोपण करना है, तो कतार से कतार 30 सेंटीमीटर और पौध से पौध 20 सेंटीमीटर की दुरी पर करे।

अदरक की रोपाई परिस्थितियों के अनुसार 15 X 15, 20 × 40 या 25 X 30 सेंटीमीटर पर भी कर सकते हैं। भूमि की दशा या जल वायु के प्रकार के अनुसार समतल कच्ची क्यारी, मेड-नाली आदि विधि से अदरक की वुवाई या रोपण किया जाता है। अदरक बोने की प्रचलित विधि इस प्रकार है, जैसे-

समतल विधि- हल्की तथा ढालू भूमि में समतल विधि द्वारा रोपण या वुवाई की जाती हैं। खेती में जल निकास के लिये कुदाली या देशी हल से 5 से 6 सेंटीमीटर, गहरी नाली बनाई जाती है। जो जल के निकास में सहायक होती हैं। इन नालियों में कन्दों का 15 से 20 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपण किया जाता हैं और रोपण के दो माह बाद पौधो पर मिट्टी चढ़ाकर मेडनाली विधि बनाना लाभदायक रहता हैं।

ऊँची क्यारी विधि- इस विधि में 1 X 3 मीटर, आकार की क्यारीयों को जमीन से 20 सेंटीमीटर ऊची बनाकर प्रत्येक क्यारी में 50 सेंटीमीटर चौड़ी नाली जल निकास के लिये बनाई जाती हैं। बरसात के बाद यही नाली सिचाई के काम में आती हैं। इन उथली क्यारियों में 30 X 20 सेंटीमीटर की दूरी पर 5 से 6 सेंटीमीटर गहराई पर कन्दों की वुवाई करते हैं। भारी भूमि के लिये यह विधि अच्छी है।

मेड़ नाली विधि- इस विधि का प्रयोग सभी प्रकार की भूमियों में किया जा सकता हैं। तैयार खेत में 60 या 40 सेंटीमीटर की दूरी पर मेड़ नाली का निर्माण हल या फावड़े से काट के किया जा सकता हैं। बीज की गहराई 5 से 6 सेंटीमीटर रखी जाती है।

यदि पानी की उपलब्धता नही या कम है। तो अदरक की नर्सरी तैयार करते हैं। पौधशाला में एक माह अंकुरण के लिये रखा जाता है। अदरक की नर्सरी तैयार करने हेतु उपस्थित बीजो या कन्दों को गोबर की सड़ी खाद तथा रेत (50:50) के मिश्रण से तैयार बीज की फैलाकर उसी मिश्रण से ढक देना चाहिए और सुबह-शाम पानी का छिड़काव करते रहना चाहिये। कन्दों के अंकुरित होने एवं जड़ोसे जमाव शुरू होने पर उसे मुख्य खेत में मानसून की बारिश के साथ रोपण कर देना चाहिये।

यह एक लम्बी अवधि की फसल हैं। जिसे अधिक पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। उर्वरकों का उपयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर करना चाहिए। खेत तैयार करते समय 30 से 35 टन प्रति हेक्टेयर के हिसाब से सड़ी हई गोबर या कम्पोस्ट की खाद खेत में सामन्य रूप से फैलाकर मिला देना चाहिए। प्रकन्द रोपण के समय 20 कुन्टल प्रति हेक्टेयर नीम की खली भूमि डालने से प्रकन्द गलन और सूत्रकृमि या भूमि जनित रोगों की समस्याँ कम हो जाती हैं।

रासायनीक उर्वरकों की मात्रा को 20 प्रतिशत कम कर देना चाहिए यदि गोबर की खाद या कम्पोस्ट डाला गया है तो, संतुलित उर्वरको की मात्रा 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, कम्पोस्टस 50 किलोग्राम, पोटाश किलोग्राम 50 किलोग्राम और जिंक की कमी होने पर 15 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर देनी चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा और बाकि सभी उर्वरकों की पूरी मात्रा अंतिम जुताई के समय खेत में प्रकनदों से 4 से 5 सेंटीमीटर की गहराई पर देनी चाहिए।

अदरक को हल्की छाया देने से खुले में बोई गयी अदरक से 25 प्रतिशत तक अधिक उपज प्राप्त होती है और कन्दों की गुणवत्ता में भी उचित वृद्धि पायी गयी हैं।

अदरक की फसल के रोग एवं कीटों में कमी लाने और मृदा के पोशक तत्वो के बीच सन्तुलन रखने हेतु अदरक को सिंचित भूमि में पान, हल्दी, प्याज, लहसुन, मिर्च अन्य सब्जियों, गन्ना, मक्का तथा मूंगफली के साथ उगाया जा सकता है। वर्षा अधिक सिंचित वातावरण में 3 से 4 साल में एक बार आलू, रतालू, मिर्च, धनियॉ के साथ या अकेले ही फसल चक्र अपना सकते हैं। अदरक की फसल को पुराने बागों में अन्तरवर्तीय फसल के रूप में उगा सकते हैं।

पलवार (मल्चिंग)

अदरक की फसल में पलवार विछाना बहुत ही लाभदायक होता हैं। रोपण के समय इससे भूमि का तापक्रम और नमी का सामंजस्य बना रहता है। जिससे अंकुरण अच्छा होता है। खरपतवार भी अंकुरित नही होते और वर्षा होने पर भूमि का क्षरण भी नही होने पाता है। रोपण के तुरन्त बाद हरी पत्तियाँ या लम्बी घास पलवार के लिये ढाक, आम, केला या गन्ने की पत्तियों का भी उपयोग किया जा सकता हैं। 10 से 12 टन या सूखी पत्तियाँ 5 से 6 टन प्रति हेक्टेयर बिछाना चाहिये।

दुबारा इसकी आधी मात्रा को रोपण के 40 दिन और 90 दिन के बाद विछाते हैं। पलवार विछाने के लिए उपलब्धतानुसार गोवर की सड़ी खाद एवं पत्तियाँ, धान के भूसे का प्रयोग किया जा सकता हैं। काली पॉलीथीन को भी खेत में बिछा कर पलवार के काम लिया जा सकता हैं। निदाई, गुडाई तथा मिट्टी चढाने से भी उत्पादन पर अच्छा असर पडाता हैं। ये सारे कार्य एक साथ करने चाहिये।

पलवार के कारण खेत में खरपतवार नही उगते अगर उगे हो तो उन्हें निकाल देना चाहिये, दो बार निदाई 4 से 5 माह बाद करनी चाहिये। साथ ही मिट्टी भी चढ़ाना चाहिऐ। जब पौधे 20 से 25 सेंटीमीटर ऊँचे हो जाये तो उनकी जड़ो पर मिट्टी चढाना आवश्यक होता हैं। इससे मिट्टी भुरभुरी हो जाती है और प्रकंद का आकार बड़ा होता है, एवं भूमि में वायु संचार अच्छा होता हैं। अदरक के कंद बनने लगते है तो जड़ों के पास कुछ कल्ले निकलते हैं। इन्हे खुरपी से काट देना चाहिऐ, ऐसा करने से कंद बड़े आकार के हो पाते हैं।

अदरक की फसल में मृदु विगलन, जीवाणु म्लानि, पर्ण चित्ती और सूत्रकृमि रोग प्रमुख है। इनकी रोकथाम के लिए बीज को अच्छे से उपचारित कर के बुवाई करनी चाहिए। रोग रोधी किस्म का चुनाव करना चाहिए। रोगी पौधों को उखाड़ कर मिट्टी में दबा देना चाहिए। इसके साथ साथ 2 ग्राम गंधक प्रति लिटर पानी और 0.5 प्रतिशत मिथाइल डिमेटान 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करते रहना चाहिए। अदरक की फसल में तना बेधक, राइजोम शल्क और लघु किट जैसे कीट लगते हा इनकी रोकथाम के लिए मैलाथियान, डाइमेथोएट और क्युनाल्फोस तीनों से एक एक मिलीलीटर दवा और एक लिटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। इसके बाद 25 किलोग्राम क्लोरोफयरिफास का चूर्ण प्रति हेक्टेयर के हिसाब से राख में मिलाकर बुरकाव करना चाहिए।

अदरक की खुदाई लगभग रोपण के 8 से 9 महीने बाद कर लेनी चाहिये जब पत्तियाँ धीरे-धीरे पीली होकर सूखने लगे। खुदाई में देरी करने पर प्रकन्दों की गुणवत्ता तथा भंडारण क्षमता में गिरावट आ जाती है और भंडारण के समय प्रकन्दों का अंकुरण होने लगता हैं। खुदाई कुदाली या फावडे की सहायता से की जा सकती है, बहुत शुष्क और नमी वाले वातावरण में खुदाई करने से उत्पादन में क्षति पहुँचती है, जिससे ऐसे समय में खुदाई नहीं करना चाहिऐ। खुदाई करने के बाद प्रकन्दों से पत्तियों और अदरक कंदों में लगी मिट्टी को साफ कर देना चाहिये।

यदि अदरक का उपयोग सब्जी के रूप में किया जाना है, तो खुदाई रोपण के 6 महीने के अन्दर की जानी चाहिऐ। प्रकन्दों को पानी से धुलकर एक दिन तक धूप में सूखा लेना चाहिये। सूखी अदरक के के लिए जिन कंदों की खुदाई 8 महीने बाद की गई है, उनको 6 से । घन्टे तक पानी में डुबोकर रखें इसके बाद नारियल के रेशे या मुलायम ब्रश आदि से रगड़कर साफ कर लेना चाहिये। धुलाई के बाद अदरक को सोडियम हाइड्रोक्लोरोइड के 100 पी पी एम के घोल में 10 मिनट के लिये डुबोना चाहिए।

जिससे सूक्ष्म जीवों के आक्रमण से बचाव के साथ-साथ भण्डारण क्षमता भी बढ़ती है। अधिक देर तक धूप ताजी अदरक (कम रेशे वाली) को 170 से 180 दिन बाद खुदाई करके नमकीन अदरक तैयार की जा सकती है। मुलायम अदरक को धुलाई के बाद 30 प्रतिशत नमक के घोल जिसमें 1 प्रतिशत सिट्रीक अम्ल में डुबो कर तैयार किया जाता हैं। जिससे वो 14 दिनों के बाद प्रयोग और भण्डारण के योग्य हो जाते है।

ताजा हरे अदरक के रूप में 100 से 150 क्विंटल पैदावार प्रति हेक्टेयर प्राप्त हो जाती है। जो सूखाने के बाद 20 से 25 क्विंटल तक होती हैं। उन्नत किस्मो के उपयोग एवं अच्छे प्रबंधन द्वारा औसत पैदावार 350 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त की जा सकती है। इसके लिये अदरक को खेत में 3 से 4 सप्ताह तक अधिक छोड़ना पड़ता है। जिससे कन्दों की ऊपरी परत पक जाती है और मोटी भी हो जाती हैं।

उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज का प्रयोग

बेहतर फसल उपज पाने के लिए किसानो को कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने की जरूरत होती हैं जैसे उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज का प्रयोग। क्या आप जानते है की उच्च गुणवत्ता व प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने से लगभग 20% उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है। अत: किसानो को बीज का चुनाव करते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना बहुत आवश्यक हो जाता हैं।

आइए जानते हैं कि जिस बीज की आप बुवाई करते हैं, उसकी पूरी प्रक्रिया क्या है?

1. प्रजनक बीज- यह बीज नाभिकीय बीज (न्यूक्लियस) से उत्पादित किया जाता है। प्रजनक की देख-रेख की में इस पर पीला टैग लगाया जाता है।

2. आधारीय बीज - इस बीज का उत्पादन प्रजनक बीज से किया जाता है। आवश्यकतानुसार आधारीय प्रथम से आधारीय द्वितीय बीज का उत्पादन किया है। इसकी उत्पादन, संसाधन, पैकिंग, रसायन उपचार

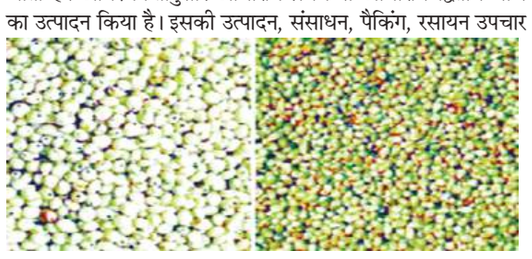

एवं लेबलिंग आदि प्रक्रिया बीज प्रमाणीकरण संस्था की देखरेख में मानकों के अनुरूप होती है। इसके थैलों में लगने वाले टैग का रंग सफेद होता है।

3. प्रमाणित बीज - कृषकों को फसल उत्पादन हेतु बेचे जाने वाला बीज प्रमाणित बीज है। प्रमाणित बीज के टैग का रंग नीला होता है।

4. सत्यापित बीज (टी0एल0) - इसका उत्पादन, उत्पादन संस्था द्वारा प्रमाणित बीज से मानकों के अनुरूप किया जाता है।

कृषकों को बेहतर फसल उत्पादन के लिए बीज का चुनाव करते समय इन बातों का खूयाल रखना चाहिए-

अच्छी गुणवत्ता वाले बीज मजबूत और स्वस्थ फसलों की वृद्धि के लिए आवश्यक हैं, जो बीमारियों या सूखे की स्थिति में भी अपने आप को जीवित रख सकते हैं।

छोटे, सिकुड़े और टूटे बीजों में अंकुरण के लिए कम पोषण होता है। इस तरह के बीजों को हटाकर किसान स्वस्थ पौध और फसल प्राप्त कर सकते हैं।

किसान खुद से भी बीज भी पैदा कर सकते हैं लेकिन उन्हें ये ध्यान रखना चाहिए की कई बीमारियां हैं, जो बीज के माध्यम से फैलती हैं। यदि संक्रमित बीजों का उपयोग अगली फसल के लिए किया जाता है, तो बीज जनित रोग खेत में स्थानांतरित हो जाते हैं। इसलिए बीज, स्वस्थ पौधों से प्राप्त करना चाहिए।

स्वयं द्वारा बीज उत्पादन किसान कैसे करें -बीज़ उत्पादन के लिए लगाए गए फसल में विभिन्न पौधों के लक्षणो का निरीक्षण करके किसान यह जान सकता हैं कि कौन सा पौधा बेहतर विकास कर रहा हैं। एक रिबन या छड़ी से पसंदीदा पौधों को चिह्नित कर लें। कटाई के दौरान, किसान इन चिन्हित पौधों के बीज को अगली फसल के लिए आरक्षित कर सकते हैं।

फसल में कीटों और बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए भी अच्छे बीज का चयन बहुत महत्वपूर्ण है। बीजों की गुणवत्ता को वॉछित स्तर पर सुनिश्चित करने के लिए बीज प्रमाणीकरण का प्राविधान है।

1) बीज का सत्यापन - आधारीय एवं प्रमाणित बीजों के उत्पादन हेतु क्रमश: प्रजनक एवं आधारीय बीजों का प्रयोग आवश्यक है। उसी श्रेणी के बीज से उसी श्रेणी के बीज उत्पादन की अनुमति विशेष परिस्थितियों में दी जाती है। बीज प्रमाणीकरण संस्था निरीक्षण के समय बिल, भण्डार रसीद तथा टैग से बीज स्रोत का सत्यापन करती है।

2) फसल निरीक्षण - पुष्पावस्था एवं फसल पकने के समय दो निरीक्षण आवश्यक हैं। निरीक्षण के समय बीज फसल में अवॉछित पौधे नहीं होने चाहिएऔर फसल खरपतवार रहित होनी चाहिए। निरीक्षण के समय खेत में जगह-जगह पर काउन्ट लिये जाते हैं।

3) प्रयोगशाला परीक्षण - विधायन के उपरान्त प्रत्येक लाट से न्यायदर्श लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेज दिया जाता है। जनक बीजों का परीक्षण विश्वविद्यालय की
तथा आधारीय व प्रमाणित बीजों का
परीक्षण बीज प्रमाणीकरण संस्था की प्रयोगशाला में किया जाता है।

4) टैगिंग - जनक बीज पर सुनहरी पीले रंग का टैग सम्बन्धित प्रजनक तथा आधारीय व प्रमाणित बीजों पर क्रमश: सफेद व नीले रंग के टैग बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा उपलब्ध कराये जाते है।

उस बीज को उत्तम कोटि का माना जाता है जिसमें आनुवांशिक शुद्धता शत-प्रतिशत हो,अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो, रोग व कीट के प्रभाव से मुक्त हो, अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो, खेत में जमाव और अन्तत: उपज अच्छी हो।

कृषि विभाग द्वारा खरीफ, रबी एवं जायद फसलों के विभिन्न प्रजाति के प्रमाणित बीजों का वितरण सभी जनपदों के विकास खण्ड स्थिति बीज भण्डार के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

अपने विकास खण्ड से बीज प्राप्त कर, प्रमाणित बीजों से बुवाई करें, जिससे उनकी फसलों के उत्पादन में वृद्धि हो। शोधित बीज बच जाने पर पुन: प्रयोग करें। बीज प्रयोगशाला से पुन: जमाव परीक्षण कराकर मानक के अनुरूप होने पर पुन: बोया जा सकता है।

किसान भाईयों को चाहिए कि वे अपनी फसलों के बीज जैसे धान, गेहूं समस्त दलहनी फसलें एवं राई सरसों और सूरजमुखी को छोड़कर समस्त दलहनी फसलों के बीज प्रत्येक तीन वर्ष में बदल कर बुवाई करें। इसी प्रकार ज्वार, बाजरा, मक्का, सूरजमुखी, अरण्डी एवं राई/सरसों की फसलों में प्रत्येक तीन वर्षा पर बीज बदल कर बुवाई की जानी चाहिए।

इफको किसान का यह प्रयास किसानों के लिए सफलतापूर्ण रहे, हम सदैव तत्पर हैं किसानों की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए। हमारे विशेषज्ञों की टीम इसी कोशिश में रहती है की किसानों के लिए हम आसान से आसान समाधान ढूँढे और उन्हे प्रेरित करते रहें और सशक्त बनने के लिए उनके हर कदम पर साथ देते रहे। इफको किसान, अच्छी कृषि प्रथाओं, पशुपालन, स्वास्थ्य, सरकार से जुड़े किसान को नियमित रूप से सलाहकार सेवाएं प्रदान कर रहा है। खेती की अधिक जानकारी के लिए, इफको किसान की ऐप को गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करसकते हैं और हमे आप सोशेल मीडिया पर भी फॉलो कर सकते हैं।

इस ऐप में आपको मौसम, मंडी, बजार भाव, एक्सपोर्ट से सलाह, खेती से जुड़ी जानकारी, क्रय-विक्रय की जानकारी से जुड़ी सभी अपडेट मिलेंगे जो की आपको आपकी खेती के लिए सही दिशा प्रदान करेगा। इफको किसान की यह ऐप से आप मंडी में विभिन्न बीजो और फसलों के भाव बहुत ही आसानी से पता कर सकते हैं, जिससे की आपको अपनी उपज का उचित मूल्य मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इफको किसान ऐप किसानों के लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है। प्रदेश के कृषि में बीज गुणता का विशिष्ट महत्व है क्योंकि हमारे यहॉ फसलों की आवश्यकतानुसार सर्वोत्त जलवायु होते हुए भी लगभग सभी फसलों का औसत उत्पादन बहुत ही कम है। जिसका प्रमुख कारण प्रदेश के कृषकों द्वारा कम गुणता वाले बीजों का लगातार प्रयोग है। जिससे फसलों में दी जाने वाली अन्य लागतों का भी हमें पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता है। फसलों में लगने वाले अन्य लागत का अधिकतम लाभ अच्छी गुणता वाले बीजों का प्रयोग करके ही लिया जा सकता है।

अदरक के गुण एवम उपयोग

अदरक के बहुत सारे स्वास्थ के लाभ है। अदरक को हल्दी , इलायची के परिवार का माना जाता है। इसकी सबसे पहले खेती साउथ एशिया में शुरू हुई थी, इसके बाद ये ईस्ट अफ्रीका और फिर दुसरे देशों में शुरू हुई। अदरक एक बहुत तेज खुशबू व स्वाद वाला होता है, जिसे खाने व बहुत से पे पदार्थ में उपयोग करते है। हमारे शरीर को जितने भी पोषक तत्व की आवशकता होती है, वो सब अदरक में पाए जाते है, खासतौर पर इसमें कॉपर और मैगनीज होता है। अदरक अत्याधिक गर्म तासीर का होता है, इसलिए इसे गर्मी में कम उपयोग किया जाता है व ठण्ड में उतना ही अधिक उपयोग होता है। अदरक हमें बहुत से रोगों से भी बचाता है।

1 अदरक का जूस बनाकर संक्रमण से बचाता है।
2 अदरक का आचार कैंसर जैसी बीमारी से बचाए।
3 अदरक की चाय तरह तरह के दर्द मिटाए।
4 अदरक को कई सब्जी में भी उपयोग करते है। खून साफ़ करे।

सर्दी खांसी मिटाए -

सर्दी खांसी जुखाम होने पर अदरक तुरंत आराम देता है। गले में खराश होने पर आप अदरक के जूस में शहद मिलाकर कुछ दिन पियें। बहुत आराम मिलेगा। इसके अलावा गला नाक बंद होने पर अदरक की चाय पियें। इसे आप रोज पियें, गले से जुडी सारी परेशानी दूर होगी।

अस्थमा -

अस्थमा की बीमारी में अदरक आपको बहुत आराम देगा। इसके लिए अदरक के जूस में मैथी पाउडर व शहद मिलाकर खाएं। कुछ दिन रोज इसे लें, जल्द आराम मिलेगा।

पाचन तंत्र मजबूत बनाये -

अदरक से पाचनतंत्र मजबूत होता है। पेट से जुडी सारी परेशानी दूर होती है। अदरक का जूस पियें, इससे कब्ज की परेशानी दूर होगी, साथ ही ये गैस की परेशानी से भी निजात देता है। उल्टी जैसा महसूस होने पर ताजा अदरक का छोटा सा टुकड़ा लेकर उसे चबाएं। थोड़ी देर में ही आराम मिलेगा। पेट के अल्सर को अदरक के द्वारा आराम दिया जा सकता है।

गठिया रोग दूर करे -

जोड़ो का दर्द, गठिया में होने वाला दर्द को अदरक के द्वारा मिटाया जा सकता है। शरीर में होने वाले दर्द, सूजन को अदरक का नियमित उपयोग कर ठीक कर सकते है। अदरक के जूस को सीधा या शहद में मिलाकर दिन में एक बार जरुर पियें, इसे रोजाना पियें इससे आपको जरुर आराम मिलेगा। एक शोध के अनुसार जो लोग रोज अदरक का सेवन करते है उन्हें नए पुराने कोई भी तरह का दर्द हो ठीक हो जाता है।

कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोके -

अदरक खाने से शरीर में कैंसर की कोशिकाएं नहीं बढ़ पाती है। खासतौर पर ये स्तन कैंसर को रोकने में मदद करता है।

माइग्रेन का दर्द दूर करे -

अदरक में माइग्रेन जैसे दर्द को दूर करने की भी क्षमता होती है, सर दर्द, दांतों का दर्द को अदरक से आराम मिलता है।

कोलेस्ट्रोल कम करे -

अदरक का जूस रोज पियें इससे कोलेस्ट्रोल हमेशा कंट्रोल में रहेगा, अदरक सेवन से खून के थक्के नहीं बनते है जिससे स्ट्रोक, हार्टअटैक की आशंका बहुत कम रह जाती है।